सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-125

पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

इंदौर, गुरुवार 08 अगस्त 2024

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

आज का विचार

हमारा भाग्य हमारा भविष्य बताता है, परन्तु हमारा कर्म हमारा भविष्य बनाता है।

सिंगल कॉलम

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- जजों को टिप्पणी करते समय दिखानी चाहिए जिम्मेदारी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कहा कि जजों को अदालतों में कार्यवाही के दौरान टिप्पणियां करते समय संयम और जिम्मेदारी दिखानी चाहिए, विशेषकर तब जब सुनवाई का सीधा प्रसारण हो रहा हो। सुप्रीम कोर्ट ने पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय की एकल पीठ द्वारा अवमानना कार्यवाही में शीर्ष अदालत के खिलाफ की गई अनुचित टिप्पणियों को सुनवाई से हटाते हुए यह कहा। प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पांच न्यायाधीशों की विशेष पीठ ने कहा कि ऐसे समय में जहां अदालत में होने वाली किसी भी कार्यवाही की व्यापक रिपोर्टिंग होती है, विशेष रूप से सीधे प्रसारण के संदर्भ में, जिसका उद्देश्य नागरिकों को अदालत की कार्यवाही, न्याय तक पहुंच प्रदान करना है, यह और भी अधिक आवश्यक है कि न्यायाधीश कार्यवाही के दौरान अदालत में की जाने वाली टिप्पणियों में संयम और जिम्मेदारी दिखाएं। पीठ में न्यायमूर्ति संजीव खन्ना, न्यायमूर्ति बी आर गवई, न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति ऋषिकेश रॉय भी शामिल थे। पीठ ने उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति राजबीर सेहरावत द्वारा 17 जुलाई के आदेश में की गई टिप्पणियों को हटा दिया। सुनवाई के दौरान मामले में पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने उच्च न्यायालय के समक्ष 17 जुलाई की कार्यवाही का एक वीडियो प्रसारित होने का हवाला दिया । पीठ ने कहा, 17 जुलाई, 2024 का आदेश एक वीडियो के कारण और जटिल बन गया है, जो सुनवाई के दौरान एकल न्यायाधीश द्वारा की गई अनुचित अनावश्यक टिप्पणियों को दर्शाता है।

पाकिस्तान ने राहुल गांधी सहित सात सांसदों को भेजे आम के डिब्बे

नई दिल्ली। पाकिस्तान का जब भी जिक्र आता है, तो हमें आतंकी ही नजर आते हैं, लेकिन इस बार वहां से प्यार का पैगात देने की कोशिश हुई है। पाकिस्तानी हाईकमीशन ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी समेत 7 सांसदों को आम से भरे डिब्बे भेजे हैं। इसे मैंगो डिप्लोमेसी बताया जा रहा है। बता दें कि बांग्लादेश की प्रधानमंत्री रही शेख हसीना भी भारतीय प्रधानमंत्रियों को हर साल आम के पैकेट भेजा करती थीं। पाकिस्तान हाईकमीशन ने भारतीय सांसदों को आम भेजने की पुष्टि की है। हाईकमीशन सूत्रों के अनुसार हर साल आम पंरपरा के अनुसार भेजे जाते हैं। जिन सांसदों को पाकिस्तानी उच्चायोग की ओर से आम के पैकेट भेजे गए हैं, उनमें विपक्ष के नेता राहुल गांधी, राज्यसभा सांसद कपलि सिब्बल, तिरुवनंतपुरम से कांग्रेस सांसद शशि थरूर, रामपुर से समाजवादी पार्टी के सांसद मोहिब्बुल्लाह नदवी, सपा के सांसद जिया उर रहमान बर्क, गाजीपुर के सांसद अफजाल अंसारी और कैराना की सांसद इकरा हसन शामिल हैं। जैसे ही यह खबर सामने आई, पहले तो कई सांसदों ने आम मिलने से इनकार कर दिया, लेकिन बाद में हाईकमीशन के सूत्रों ने इसकी पुष्टि कर दी कि सांसदों को आम भेजे गए हैं।

शेयर बाजार में 3 दिन बाद लौटी हरियाली सेंसेक्स में 875 अंक का उछला

मुंबई। भारतीय शेयर बाजारों में पिछले 3 दिनों से जारी गिरावट का सिलसिला बुधवार को थम गया। सेंसेक्स ने 875 अंकों की छलांग लगाई। जबकि निफ्टी 24,300 के पास जाकर बंद हुआ। शेयर बाजार में चौतरफा खरीदारी दिखी, जिसके चलते शेयर बाजार के निवेशकों की संपत्ति एक झटके में करीब 9.18 लाख करोड़ रुपये बढ़ गई। सभी सेक्टोरल इंडेक्स भी हरे निशान में बंद हुए। मेटल, फार्मा, मीडिया, पावर, टेलीकॉम, ऑयल एंड गैस और कैपिटल गुड्स शेयरों में सबसे अधिक तेजी देखने को मिली। बीएसई के मिडकैप और स्मॉलकैप दोनों इंडेक्स भी 2 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुए। कारोबार के अंत में, बीएसई सेंसेक्स 874.94 अंक या 1.11 फीसदी की तेजी के साथ 79,468.01 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं एनएसई का 50 शेयरों वाला इंडेक्स, निफ्टी 304.95 अंक या 1.27 फीसदी की बढ़त के साथ 24,297.50 के स्तर पर बंद हुआ। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का कुल मार्केट कैपिटलाइजेशन बढ़कर 448.77 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया, जो इसके पिछले कारोबारी दिन यानी मंगलवार को 439.59 लाख करोड़ रुपए था।

लोकसभा में आज पेश होगा वक्फ बोर्ड संशोधन विधेयक, कांग्रेस करेगी विरोध

केंद्र की मोदी सरकार आज मुस्लिम वक्फ बोर्डों को नियंत्रित करने वाले कानून में संशोधन का विधेयक संसद में पेश करने जा रही है। अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू इसे लोकसभा में पेश करेंगे। विपक्ष का रुख देखते हुए इस मुद्दे पर भारी हंगामा होने के आसार हैं।इस बीच, कांग्रेस ने संशोधन विधेयक का विरोध करने का फैसला किया है। कांग्रेस ने सरकार से यह गारंटी मांगी है कि बिल पास होने के बाद वक्फ बोर्ड की जमीनें बेची नहीं जाएंगी। इसी तरह समाजवादी भी विरोध करेगी। आरोप है कि सरकार वक्फ बोर्डों की संपत्ति हड़पने के लिए ऐसा कर रही है। वहीं भाजपा का कहना है कि वक्फ बोर्ड कानून में कई विसंगतियां हैं। जिनकी संपत्ति ली जा रही है, उनको उचित मुआवजा नहीं मिल रहा है। इसको लेकर कई शिकायतें मिली हैं। यही कारण है कि सरकार संशोधन करने जा रही है। संसद की कार्यवाही शुरू होने से पहले विपक्षी सांसदों ने प्याज के दामों को लेकर विरोध किया। विरोध जताने के लिए सांसदों ने प्याज की माला पहनी और प्याज का दाम कम करो... का नारा लगाया।

मो.यूनुस के नेतृत्व में बांग्लादेश की अंतरिम सरकार की शपथ आज

ढाका। नोबेल पुरस्कार से सम्मानित प्रोफेसर मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली बांग्लादेश की अंतरिम सरकार गुरुवार को शपथ लेगी। सेना प्रमुख जनरल वकार-उज-जमां ने यह जानकारी दी। जनरल वकार ने बुधवार को संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि अंतरिम सरकार गुरुवार को रात आठ बजे शपथ ले सकती है। उन्होंने यह भी कहा कि सलाहकार परिषद में 15 सदस्य हो सकते हैं। राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन ने मंगलवार को अर्थशास्त्री यूनुस (84) को अंतरिम सरकार का प्रमुख नियुक्त किया था। इससे एक दिन पहले प्रधानमंत्री शेख हसीना नौकरियों में आरक्षण से संबंधित विवाद को लेकर हिंसक विरोध प्रदर्शनों के बाद पद से इस्तीफा देकर देश छोड़कर चली गई थीं। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख नियुक्त किए गए प्रो. मोहम्मद यूनुस ने बुधवार को सभी से शांति कायम करने और हर प्रकार की हिंसा से बचने की अपील की। यूनुस (84) ने कहा,आइए इस नई जीत का सर्वोत्तम उपयोग करें। हम अपनी किसी गलती की वजह से इस जीत को व्यर्थ न जाने दें। स्थानीय मीडिया में आई खबरों के अनुसार, सोमवार को शेख हसीना के प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद बांग्लादेश में अराजकता चरम पर है और कानून-व्यवस्था बनाए रखने या यातायात का प्रबंधन करने के लिए पुलिसकर्मी उपलब्ध नहीं हैं। अतिरिक्त पुलिस महानिरीक्षक (एआईजी) ए.के.एम. शाहीदुर रहमान को मौजूदा संकट से निपटने के लिए मंगलवार को बांग्लादेश पुलिस का शीर्ष अधिकारी नियुक्त किया गया।

27 साल बाद भारत के खिलाफ श्रीलंका ने जीती वन डे सीरीज

कोलंबो। श्रीलंका ने तीसरे वनडे में भारत को 110 रनों से हरा दिया है। श्रीलंका ने तीन मैचों की वनडे सीरीज 2-0 से अपने नाम की। 1997 के बाद पहली बार श्रीलंका ने भारत के खिलाफ वनडे सीरीज जीती है। कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में श्रीलंका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत के खिलाफ तीसरे वनडे में 50 ओवर में सात विकेट खोकर 248 रन बनाए, इसके जवाब में भारतीय टीम 26.1 ओवर में 138 रन ही बना सकी। 249 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम को पांचवें ओवर में पहला झटका लगा। शुभमन गिल 14 गेंद में 6 रन बनाकर आउट हुए। कप्तान रोहित शर्मा 20 गेंद में 35 रन बनाकर आउट हुए। ऋषभ पंत 6, विराट कोहली 20 और अक्षर पटेल 2 रन बनाकर पवेलियन लौटे। श्रेयस 8, रियान पराग 15 और शिवम 9 रन बनाकर आउट हुए। वॉशिंगटन सुंदर 30 और कुलदीप यादव 6 रन बनाकर आउट हुए। श्रीलंका की ओर से दुनिथ वेल्लालागे ने सर्वाधिक पांच विकेट लिए। महीश तीक्षणा और जेफरी ने 2-2 विकेट लिए। पहले बल्लेबाजी करने उतरी श्रीलंका की टीम को सलामी बल्लेबाजों पथुम निसांका और अविष्का फर्नांडो ने शानदार शुरुआत दिलाई। दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 89 रन की साझेदारी हुई। पथुम 65 गेंद में 45 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद कुसल मेंडिस और अविष्का के बीच 94 गेंद में 82 रन की साझेदारी हुई। रियान पराग ने अविष्का को पवेलियन भेजकर ये पार्टनरशिप तोड़ी। अविष्का 96 रन बनाकर आउट हुए। कप्तान चरिथ असलंका को भी पराग ने आउट किया। सदीर को सिराज ने पवेलियन का रास्ता दिखाया। जेनिथ 8 और दुनिथ दो रन ही बना सके। भारत के लिए रियान पराग ने तीन विकेट चटकाए।

विनेश फोगाट ने कुश्ती से लिया संन्यास, सिल्वर मेडल मिलेगा या नहीं, फैसला आज

विनेश फोगाट ने ओलंपिक से अयोग्य घोषित किए जाने के कुछ घंटों बाद ही कुश्ती से संन्यास का एलान कर दिया है। विनेश ने एक्स पोस्ट के जरिए यह घोषणा की। इस बीच, पेरिस ओलंपिक 2024 के 50 किलो भार वर्ग कुश्ती मुकाबले में फाइनल में पहुंचने पर विनेश को सिल्वर मेडल मिलेगा या नहीं, इस पर खेल पंचाट यानी कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन फॉर स्पोर्ट्स (सीएएस) का फैसला आज 11.30 बजे होगा।विनेश ने एक्स पर लिखा- मां, कुश्ती मेरे से जीत गई, मैं हार गई। माफ करना। आपका सपना, मेरी हिम्मत सब टूट चुके। इससे ज्यादा ताकत नहीं रही अब। अलविदा कुश्ती 2001-2024। आप सबकी हमेशा ऋणी रहूंगी। विनेश ने एक्स पर लिखा- मां, कुश्ती मेरे से जीत गई, मैं हार गई। माफ करना। आपका सपना, मेरी हिम्मत सब टूट चुके। इससे ज्यादा ताकत नहीं रही अब। अलविदा कुश्ती 2001-2024। आप सबकी हमेशा ऋणी रहूंगी। विनेश फोगाट ने अयोग्यता के खिलाफ कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन फॉर स्पोर्ट्स (सीएएस) में अपील की है। विनेश ने सेमीफाइनल मुकाबला 5-0 के अंतर से जीता था और ओलंपिक में फाइनल के लिए क्वालीफाई करने वाली पहली भारतीय महिला पहलवान बनी थीं। विनेश फोगाट और भारत की ओर से सीएएस में की गई अपील में कहा गया है कि उन्हें सिल्वर मेडल दिया जाए। ट्रिब्यूनल ने अपना अंतिम फैसला देने के लिए गुरुवार, 8 अगस्त की सुबह तक का समय मांगा है। यदि सीएएस का फैसला विनेश के पक्ष में आता है, तो आईओसी को विनेश को रजत पदक देना होगा। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने विनेश फोगाट पर बड़ा फैसला लिया है। इसके अनुसार, विनेश फोगाट को ओलंपिक में रजत पदक जीतने वाले खिलाड़ी को मिलने वाला सम्मान, ईनाम और सुविधाएं दी जाएंगी। मुख्यमंत्री ने कहा, हमारे लिए विनेश फोगाट एक चैंपियन हैं और उन पर पूरे भारत को गर्व है। (**शेष 08 पर**)

मप्र सहित 9 राज्यों की 12 राज्यसभा सीटों पर 3 सितंबर को चुनाव

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने बुधवार को बताया कि नौ राज्यों की खाली हुई 12 राज्यसभा सीटों के लिए 3 सितंबर को चुनाव होगा। इसके लिए 14 अगस्त को अधिसूचना जारी कर दी जाएगी। नामांकन पत्र भरने की लास्ट डेट 21 अगस्त होगी। भरे गए नॉमिनेशन की जांच 22 अगस्त को की जाएगी। तीन सितंबर को सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक चुनाव होगा। इसी दिन शाम पांच बजे से वोटों की गिनती शुरू कर परिणाम घोषित कर दिया जाएगा। आयोग ने बताया कि नौ राज्यों में से 10 राज्यसभा सदस्यों की सीट उनके लोकसभा चुनाव जीतने के बाद खाली हो गई हैं। जबकि तेलंगाना से डॉ. के. केशव राव द्वारा बीआरएस छोड़कर कांग्रेस में जाने और ओड़िसा से ममता मोहंता के बीजेडी छोड़कर बीजेपी में जाने के बाद दोनों ने रिजाइन कर दिया था। जबकि सात राज्यों से 10 सदस्यों के लोकसभा चुनाव लड़ने से राज्यसभा सीट खाली हो गई थी। यह 10 सदस्य लोकसभा चुनाव जीत गए थे। इनमें केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल, सर्बानंद सोनोवाल और ज्योतिरादित्य सिंधिया समेत मौजूदा सदस्यों के लोकसभा सदस्य बनने के बाद राज्यसभा की 10 सीट खाली हो गई थी। इन 10 सदस्यों में असम से कामाख्या प्रसाद तासा और सर्बानंद सोनोवाल, बिहार से मीसा भारती और विवेक ठाकुर, हरियाणा से दीपेंद्र सिंह हुडा, मध्यप्रदेश से ज्योतिरादित्य एम सिंधिया, महाराष्ट्र से उदयनराजे भोसले और पीयूष वेदप्रकाश गोयल, राजस्थान से केसी वेणूगोपाल और त्रिपुरा से बिपलब कुमार देब हैं। जो पहले राज्यसभा सदस्य थे और लोकसभा चुनाव लड़ने के बाद यह जीत गए। आयोग ने बताया कि असम, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र और त्रिपुरा के सदस्यों के लिए अपना नाम वापस लेने की लास्ट डेट 26 अगस्त रखी गई है। जबकि बिहार, हरियाणा, राजस्थान, तेलंगाना और ओडिसा यह तारीख 27 अगस्त है।

बेंगलुरु पहुंचे मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री

सीएम डॉ. मोहन यादव ने एचएएल को मप्र में ब्रांच खोलने का दिया न्योता

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बुधवार को कर्नाटक के बेंगलुरु में हिंदुस्तान एयरोनॉटिकल लिमिटेड (एचएएल) के इक्विपिंग एवं फाइनल असेंबली का अवलोकन किया। सीएम यादव ने कहा कि यहां आकर अच्छा लगा। यहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वयं विजिट करके गए हैं। यह गौरवशाली क्षण है। हम स्वदेशी एयरक्रॉप्ट के माध्यम से दुनिया में एक अलग धाक बनाने में सफल हुए हैं। संस्थान ने अपने निर्माण स्थल के रूप में देश के कई हिस्सों में भागीदारी की है। मैं इस संस्थान को मध्यप्रदेश में भी ब्रॉन्च खोलने का आमंत्रण दे रहा हूं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव बेंगलुरु में 8 अगस्त तक आयोजित इंटरेक्टिव सेशन में उद्योगपतियों से निवेश पर चर्चा करने पहुंचे हैं। दरअसल मप्र सरकार ने स्पेस टेक्नोलॉजी सेक्टर में प्रदेश में पहली बार निवेश पाने के प्रयास शुरू किए हैं। स्पेस टेक्नोलॉजी सेक्टर में काम कर रही कंपनियां उपग्रह चित्रण और डेटा एनालिटिक्स की सेवाएं उपलब्ध कराती हैं। उपग्रह के माध्यम से वैश्विक निगरानी और डेटा की शुद्धता में सुधार होता है। यह कंपनियां अंतरिक्ष में प्रदूषण और कक्षीय वस्तुओं पर निगरानी के लिए नई तकनीकी विकसित कर रही हैं। इनमें मुख्य रूप से पिक्सल, दिगंतरा, गैलेक्स आई, सेटस्योर कलाइड ईओ, स्काई सर्वर जैसी कंपनियां हैं जिनके प्रतिनिधियों की सीएम यादव से मीटिंग होना है। सेटस्योर कंपनी सैटेलाइट इमेजरी उपलब्ध कराती है जो कृषि क्षेत्र के लिए बहुत उपयोगी है। इसी प्रकार पिक्सल कंपनी पृथ्वी के चित्रों पर आधारित छोटे सैटेलाइट का निर्माण और संचालन करती है। डॉ. यादव आईटी सेक्टर की कंपनियों से भी संवाद करेंगे और निवेश की संभावना पर चर्चा करेंगे। वे मुख्य रूप से कॉग्निजेंट, नेसकॉम, किंड्रील, इंफोसिस, टीसीएस, विसेन टेक्नोलॉजी, सीसा इंफोसेक हैपिएस्ट माइंड्स, डेल्टा कैपिटा, नीमन मारकस एवं मोवाटे जैसी कंपनियों के प्रतिनिधियों से चर्चा करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव चाहते हैं कि ये कंपनियां ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स को भोपाल और इंदौर में स्थापित करें। इससे स्थानीय रोजगार के अवसर बनेंगे और लोकल इकोनामी के मूवमेंट में तेजी आएगी।

बांग्लादेश में हो रही हिंसा पर योगी बोले-

हिन्दुओं को चुन-चुनकर मारा जा रहा सनातन धर्म को एकजुट रहने की जरूरत

अयोध्या। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बांग्लादेश में हो रही हिंसा को लेकर बुधवार को लोगों को सचेत रहने और इतिहास से सबक लेने की नसीहत दी। सीएम योगी ने कहा कि सनातन धर्म को एकजुट रहने की आवश्यकता है। सीएम योगी ने कहा कि पड़ोसी देश में मंदिर तोड़े जा रहे हैं। चुन-चुनकर हिन्दुओं को निशाना बनाया जा रहा है। उन्हें मारा जा रहा है। इसके बाद भी हम लोग इतिहास की उन परतों को ढूंढने का प्रयास नहीं कर रहे हैं कि जिसके कारण इस प्रकार की दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति वहां पैदा हुई है। सीएम योगी ने कहा कि हम याद करें, जो समाज इतिहास की गलतियों से सबक नहीं सीखता है उसके उज्जवल भविष्य पर भी ग्रहण लगता है। सनातन धर्म पर आने वाले संकट के लिए एकजुट होकर काम करने की आवश्यकता है। एकजुट होकर लड़ने की आवश्यकता है। सीएम योगी अयोध्या में परमहंस रामचंद्र दास महाराज की मूर्ति के अनावरण पर आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे। सीएम योगी ने कहा कि आज हम दुनिया की तस्वीर देख रहे हैं। भारत के तमात पड़ोसी जल रहे हैं। एकजुट होकर लड़ने से ही सनातन धर्म को मजबूती मिलेगी। राम मंदिर का निर्माण मंजिल नहीं है, यह एक पड़ाव है। इस पड़ाव को निरंतरता देनी है। योगी ने कहा कि जातिवाद और छूआछूत से मुक्त एक ऐसे समाज का निर्माण जिसके लिए प्रभु श्रीराम ने अपना पूरा जीवन समर्पित किया। इसलिए ही अयोध्या धाम में इस तरह का प्रयास किया गया। कोई भी अयोध्यावासी देश में जाता है उसे सम्मान से देखा जाता है। अगर हमारा प्रयास सार्थक हुआ तो इस सम्मान के आप लोग लंबे समय तक पात्र बने रहेंगे। सीएम योगी ने कहा कि एक तरफ राम मंदिर का निर्माण हो रहा है। जन सहयोग से राम मंदिर ट्रस्ट इसका निर्माण करा रहा है तो अयोध्या के बाहर चारों तरफ फोर लेन से इसको दूसरे हिस्सों से जोड़ा जा रहा है। जो लोग पहले अयोध्या आ चुके हैं वह भी दोबारा आ रहे हैं तो लग रहा है कि नए शहर में आ गए हैं। यहां नई-नई चीजें बन रही हैं। नया इंटरनेशनल एयरपोर्ट बन गया है। दुनिया भर से अयोध्या की कनेक्टिविटी बढ़ी है। रेलवे की बेहतरीन सुविधाएं प्राप्त हो गई हैं।

सिंगल कॉलम

यूनिवर्सिटी की यूजी कोर्स की परीक्षाएं 20 की जगह 24 अगस्त से होंगी

इंदौर। देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी ने बीकॉम, बीए, बीएससी व बीबीए सहित अन्य यूजी कोर्स की फर्स्ट ईयर की 20 अगस्त को होने वाली एग्जाम आगे बढ़ा दी है। अब यह एग्जाम 24 अगस्त को होगी। 19 अगस्त को राखी है। इंदौर में बड़ी संख्या में स्टूडेंट्स ऐसे हैं जो शहर के बाहर अन्य जिलों से आकर यहां पढ़ाई कर रहे हैं। वे यह मांग कर रहे थे कि राखी के अगले ही दिन वे परीक्षा देने कैसे आएंगे? साथ ही कॉलेजों ने भी ऑब्जर्वर और एग्जाम ड्यूटी के लिए लोग नहीं मिलने की बात कही थी। इसके चलते डीएवीवी प्रशासन ने एग्जाम आगे बढ़ाने का निर्णय लिया। वेबसाइट पर नया शेड्यूल अपलोड किया गया। ये एग्जाम 16 जुलाई से शुरू हुई थीं। इन एग्जाम में 61 हजार स्टूडेंट्स शामिल हैं। बीकॉम में 21 हजार, बीए में 18 हजार स्टूडेंट्स एग्जाम दे रहे हैं। बीएससी में 12 हजार स्टूडेंट्स हैं। इनमें कई स्टूडेंट्स बाहर के हैं, जो राखी पर अपने घर जाते हैं और वापस लौटने में उन्हें दो से तीन दिन का समय लगता है।

अग्रवाल समाज केंद्रीय समिति के 11 अगस्त को होने वाले चुनाव स्थगित

इंदौर। अग्रवाल समाज केंद्रीय समिति के 11 अगस्त को होने वाले चुनाव को स्थगित कर दिया गया है। अब चुनाव की नई तारीख तय की जाएगी। मंगलवार शाम को हुई बैठक के बाद यह निर्णय लिया गया। मुख्य चुनाव अधिकारी किशन गुप्ता ने कहा- वर्तमान परिस्थिति पर वरिष्ठों के साथ चर्चा की गई। बैठक के बाद तय किया गया कि चुनाव की तारीख को स्थगित किया जाए। आगामी चुनाव की तारीख की घोषणा की जाएगी। इससे पहले शाम को समाज के प्रमुख परामर्शदाता उद्योगपति विनोद अग्रवाल के साथ चुनाव अधिकारियों ने बैठक की। इसमें तीनों चुनाव अधिकारी और दादी पैनल से जुड़े गणेश गोयल, जय अग्रसेन पैनल से जुड़े गोविंद सिंघल, राजेश बंसल मौजूद थे। कुछ समय के लिए रहा असमंजस इधर, एक पैनल से जुड़े लोगों ने कहा- चुनाव दो दिन के लिए होल्ड पर कर दिए हैं। 8 अगस्त को इस बारे में निर्णय लिया जाएगा। बाद में स्पष्ट किया गया कि चुनाव स्थगित हो चुके हैं।

विवाद कर रहे छात्रों को थाने ले गई पुलिस, प्रतिबंधात्मक धाराओं में कार्रवाई

इंदौर। इंदौर के भंवरकुआ इलाके के संत नगर में स्टूडेंट के बीच विवाद हो गया। एक परिवार ने उन्हें हटने के लिये बोला तो स्टूडेंट की उनसे कहासुनी हो गई। इसके बाद मौके पर पुलिस की गाड़ियां पहुंची। विवाद करने वालों को बैठाया और थाने भेजा।भंवरकुआ पुलिस से मंगलवार रात कुछ स्टूडेंट को हिरासत में लिया है। स्टूडेंट ने इलाके में रहवासियों से विवाद किया। इसके बाद रहवासियों ने पुलिस को सूचना देकर बुला लिया। बताया जाता है रात में स्टूडेंट आपस में झगड़ रहे थे।एक परिवार ने उनके घर के सामने झगड़ने को लेकर आपत्ति ली थी। इस पर स्टूडेंट परिवार से विवाद करने लगे। यहां पर रहवासी इकट्?ठा हुए और छात्रों की पिटाई कर दी। बाद में पुलिस को मौके पर बुलाया गया। उन्होंने स्टूडेंट को पकड़ा और थाने ले गई। मामले में रहवासियों ने प्रकरण दर्ज नहीं कराया है। पुलिस छात्रों पर प्रतिबंधात्मक धाराओं में कार्रवाई कर रही है।

साइबर अटैक से 1900 करोड़ रुपए विदेश के हैकर को हुए ट्रांसफर

इंदौर। ठग सोशल मीडिया पर क्रिप्टो करेंसी में पैसे इन्वेस्टमेंट कर लुभावने प्रॉफिट के फर्जी स्क्रीन शॉट को स्टोरी/रिल्स में पोस्ट कर रहे है एवं लोगो से फर्जी इन्वेस्ट कराते हुए उनके पैसों को प्राप्त करने के लिए जीएसटी के नाम से पैसे प्राप्त कर ऑनलाइन ठगी की वारदात को अंजाम दिया जा रहा है। क्रिप्टो करेंसी में निवेश करने वाले इंदौर सहित देशभर के लोगों के 1900 करोड़ रुपए साइबर अटैक से अन्य देश में किसी हैकर के यहां ट्रांसफर हो गए हैं। इस मामले में निवेशकों ने इंदौर स्थित नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल में अर्जी दायर की है। बुधवार को एनसीएलटी ने इस मामले की सुनवाई की। निवेशकों ने इस मामले में केंद्रीय वित्त मंत्रालय, ट्रेडिंग इन्वेस्टिंग एक्सचेंज फर्म वजीर एक्स सहित अन्य को पक्षकार बनाया है। याचिकाकर्ता गौरांश व्यास की ओर से अधिवक्ता वरुण रावल, प्रवीण पांचाल ने याचिका दायर की है। याचिका में उल्लेख किया है कि जिस ट्रेडिंग फर्म में निवेशकों ने निवेश किया था, उसका संचालन झन्माई लैब्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा किया जाता है। इस कंपनी के डायरेक्टर ने पिछले दिनों सोशल मीडिया पर निवेशकों के लिए संदेश जारी किया था कि निवेशकों का पैसा जो जमा था, वह साइबर अटैक से चोरी हो गया है। निवेशक ही सलाह दें कि अब क्या किया जाए। निवेशकों को उल्टी सलाह ये भी दी गई कि वह अपना पैसा हासिल करने के लिए कोर्ट में नहीं जाएं। इसमें लंबा समय लगेगा। कंपनी अन्य तरीकों से पैसा लौटा देगी। वकील रावल ने याचिका में उल्लेख किया कि जिस फर्म के खाते में निवेशकों का रुपया जमा रहता था, वह तकनीकी रूप से इतना मजबूत है कि बिना संचालकों के हस्ताक्षर के ट्रांसफर हो ही नहीं सकता।

पूर्व मंत्री के बयान पर सियासत गरमाईः भाजपा ने बयान को भड़काने वाला बताया, कहा- नाम सज्जन, सोच दुर्जन

सज्जन बोले- बांग्लादेश की तरह भारत में भी जनता पीएम आवास में घुस जाएगी

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा, कांग्रेस के ऐसे नेता हैं जो जब भी बोलते हैं, कुछ ऐसा बोल जाते हैं कि वे सुर्खियों में आ जाते हैं। मध्यप्रदेश कांग्रेस के बड़बोले नेताओं में उनका नाम सबसे ऊपर है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर दिए गए बयान को लेकर अब वे फिर चर्चा में आ गए हैं। वर्मा ने कहा है कि श्रीलंका, बांग्लादेश के बाद अब भारत का नंबर है। इंदौर नगर निगम में हुए घोटाले को लेकर सज्जन सिंह वर्मा की विवादित टिप्पणी से राजनीति गरमा गई है। वर्मा ने बुधवार को कहा कि पहले श्रीलंका में जनता प्रधानमंत्री के घर में घुसी। अब बांग्लादेश में जनता प्रधानमंत्री के घर में घुस गई। शेख हसीना को देश छोड़कर जाना पड़ा। अब भारत का नंबर है। मोदी सरकार की गलत नीतियों के कारण अब एक दिन देश की जनता भी प्रधानमंत्री आवास में घुस जाएगी और कब्जा कर लेगी। भाजपा ने उनके इस बयान को भड़काने वाला बताया है। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता आलोक दुबे ने कहा कि भारत एक लोकतांत्रित देश है। मोदी सरकार सभी को साथ लेकर चल रही है। मोदी सरकार की लोककल्याणकारी नीतियों के कारण देश में तीसरी बार भाजपा की सरकार बनी है। देश की जनता ने कांग्रेस को घर बैठा दिया। अब कांग्रेस नेता जनता को भड़काने का प्रयास कर रहे है। सज्जन सिंह वर्मा की सोच बताती है कि उनकी सोच विकास विरोधी है। उनका दला लोकतंत्र के महापर्व लोकसभा चुनाव में भाजपा का सामना करने में असफल रहा,इसलिए अब वे देश की जनता को भड़काने का काम कर रहे हैं। सज्जन सिंह वर्मा ने कहा कि जनता अब भ्रष्टाचार सहन नहीं करेगी। यदि भाजपा के लोग भ्रष्टाचार करेंगे, तो सड़कों पर हिलोरे लेने

वाली जनता महापौर के घर में घुस जाएगी और कैलाश विजयवर्गीय के घर में भी घुस सकती है, इसलिए अब भ्रष्टाचार नहीं चलेगा। सभा खत्म होने के बाद पूर्व मंत्री वर्मा ने मीडिया से बातचीत की। यहां वे सभा में कही अपनी बात पर कायम रहे। उन्होंने दोहराया कि आज मैंने आह्वान किया कि नरेंद्र मोदी, अमित शाह, मोहन यादव और कैलाश विजयवर्गीय सुन लो, कल बांग्लादेश की जनता घुस गई प्रधानमंत्री आवास में। छह महीने पहले श्रीलंका में घुस गई थी। अब तुम्हारे घरों में घुसेगी जनता। भ्रष्टाचार सहन नहीं हो रहा है।

विनेश फोगाट को बाहर करना साजिश

पूर्व मंत्री वर्मा ने महिला पहलवान विनेश फोगाट के ओलिंपिक से बाहर होने पर कहा कि देश का नाम रोशन करने वाली विनेश फोगाट को ओलंपिक से साजिश पूर्वक बाहर कर दिया गया है। पीएम मोदी को सारे काम छोडकर सबसे पहले ओलंपिक की उस टीम से संवाद करना चाहिए। यह अन्याय बर्दाश्त नहीं होगा। जिस तरह से हमारे देश की पहलवानों और महिलाओं का अपमान हुआ, तो फिर आगे के लिए तैयार रहें, यह भाषा बोलना पड़ेगी। अब मोदी कितना संज्ञान लेते है यह तो भगवान जाने।

जीतू पटवारी ने लगाए करोड़ों के भ्रष्टाचार के आरोप

इंदौर में सभा को संबोधित करते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा इंदौर की जनता ने भाजपा पर बार-बार भरोसा किया। संसद के चुनाव, विधानसभा और नगर निगम में लेकिन फिर भाजपा व्यापम घोटाला करती है। बच्चों के पेपर लीक हो जाते हैं, नौकरियों में घपला होते हैं तो इसका असर आम जनता और उनके बच्चे पर पड़ता है। उन्होंने कहा अभी नगर निगम ने संपत्ति कर बढ़ा दिया, जलकर बढ़ा दिया, इसका बोझ भी जनता पर पड़ेगा। वहीं नगर निगम अब भ्रष्टाचार की ऐसी नर्सरी बन चुका है, जिसके महापौर ने अपने 2 साल के कार्यकाल में ही 200 करोड़ के घोटाले के कारण नगर निगम में ईडी को आने पर मजबूर कर दिया। यही महापौर का असली चेहरा है और इसी तरह इंदौर की गरिमा को भाजपा ने कलंकित किया है।

भाजयुमो ने एमजी रोड थाने पर शिकायत दर्ज कराई

सज्जन सिंह वर्मा के बयान पर भाजपा ने पलटवार किया है।

भाजपा प्रवक्ता आशीष अग्रवाल ने कहा कि यही फर्क है राष्ट्रवादी और राष्ट्रविरोधियों में। नाम सज्जन, सोच दुर्जन है। वहीं इंदौर भारतीय जनता युवा मोर्चा द्वारा कांग्रेस नेता सज्जन सिंह वर्मा द्वारा दिए गए बयान को लेकर एमजी रोड थाने पर शिकायत दर्ज कराई गई। युवा मोर्चा नगर अध्यक्ष सौगात मिश्रा के साथ बड़ी संख्या में युवा मोर्चा कार्यकर्ता एमजी रोड थाने पहुंचे जहां सौगात मिश्रा ने कहा कि वर्मा के देश विरोधी बयान की जितनी भी निंदा की जाए कम है। उनका बयान बेहद गैर जिम्मेदाराना एवं देश का माहौल खराब करने के लिए उकसाने वाला है।

बांग्लादेश में हुए उग्र आंदोलन और तख्तापलट जैसी स्थिति भारत देश में निर्मित होने और प्रधानमंत्री निवास सहित अन्य नेताओं के निवास पर कब्जा करने वाली बात करना उनकी दूषित विचारधारा एवं आतंकवाद समर्थित मानसिकता को उजागर करती है।

बच्चों के लिए बड़ा खतरा

इंदौर में 100 से ज्यादा स्कूलों की बिल्डिंग खंडहर

आईएमसी ने बताया कभी भी हो सकती है धराशायी

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। नगर निगम के स्वामित्व वाले स्कूलों की कम से कम 65 इमारतों के साथ-साथ कई और इमारतें जर्जर अवस्था में हैं। इसके अलावा महिला एवं बाल विकास विभाग की आंगनवाड़ी की 20 बिल्डिंग और स्कूल शिक्षा विभाग की कई इमारतें जीर्ण-शीर्ण स्थिति में हैं।

वहां नामांकित बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए तत्काल कदम उठाए जाने की जरूरत है। आईएमसी के रिकॉर्ड के अनुसार, नगर निकाय के स्वामित्व वाले स्कूलों की कम से कम 65 इमारतें हैं, जिन्हें खतरनाक के रूप में चिह्नित किया गया है, जबकि उनमें से लगभग 15 बहुत खराब स्थिति में हैं। इसी तरह, डब्ल्यूसीडी और स्कूल शिक्षा विभाग ने आंगनवाड़ी/स्कूलों की कम से कम 20 इमारतों को जीर्ण-शीर्ण स्थिति में चिह्नित किया है। इन्हें या तो तत्काल नवीनीकरण की आवश्यकता है या उनके स्थान पर नया निर्माण किया जाना चाहिए।

नवीनीकरण अभियान की योजना

आईएमसी के अतिरिक्त आयुक्त सिद्धार्थ जैन ने कहा कि हमने अगले कुछ दिनों में स्कूलों और आवासीय इमारतों सहित संरचनाओं के नवीनीकरण/ध्वस्तीकरण के लिए एक अभियान की योजना बनाई है। डब्ल्यूसीडी इंदौर के जिला कार्यक्रम अधिकारी रामनिवास बुधोलिया ने कहा कि कम से कम 100 आंगनवाड़ी केंद्रों को, जिनमें जर्जर हालत वाले भी शामिल हैं, स्मार्ट क्लास में बदलने की योजना पहले ही प्रस्तावित की जा चुकी है। इसलिए, विभाग ने करोड़ों रुपये के दान का उपयोग करने की योजना बनाई है, जो तत्कालीन मुख्यमंत्री

शिवराज सिंह चौहान ने 31 मई, 2022 को इंदौर के लोधीपुरा क्षेत्र में लगभग 800 मीटर की दूरी में एक ठेला खींचकर प्राप्त किया था।

स्कूलों के सर्वेक्षण और कार्रवाई

जिला पंचायत के सीईओ सिद्धार्थ जैन ने कहा कि लगभग 1,600 सरकारी स्कूलों की इमारतों के विस्तृत सर्वेक्षण का आदेश दिया गया है और रिपोर्ट अगले एक सप्ताह में आने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि बच्चों को स्थानांतरित करने के लिए तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश भी जारी किए गए हैं। यदि कोई संरचना जीर्ण-शीर्ण अवस्था में हो तो उसका नवीनीकरण करें।

राज्य सरकार की कार्रवाई

तीन दिन पहले सागर जिले में दीवार गिरने से नौ बच्चों की मौत का संज्ञान लेते हुए राज्य सरकार ने कलेक्टर, एसपी और एक एसडीएम को हटा दिया। इंदौर-उज्जैन संभाग के विभिन्न जिलों के स्थानीय प्रशासन ने ऐसी जर्जर संरचनाओं को हटाने के साथ-साथ सर्वेक्षण का आदेश दिया है। मंदसौर कलेक्टर अदिति गर्ग ने कहा कि हमने हाल ही में आंगनवाड़ी की कम से कम आधा दर्जन जर्जर संरचनाओं को ध्वस्त कर दिया है, जबकि उचित कार्रवाई करने के लिए ऐसी अन्य सरकारी सुविधाओं की ताकत की जांच करने के लिए एक सर्वेक्षण जारी है।

इन इमारतों को लेकर भी चिंता

उज्जैन के योगेश्वरी टेकरी क्षेत्र में एक सरकारी प्राथमिक विद्यालय, इंदौर के अमरपुरी क्षेत्र में एक प्राथमिक विद्यालय, रतलाम के उंकाला रोड पर स्थित एक सरकारी मध्य विद्यालय और खंडवा के गणेशगंज में एक प्राथमिक विद्यालय की लगभग एक सदी पुरानी इमारत की जीर्ण-शीर्ण स्थिति क्षेत्र ने छात्रों की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई है। प्रशासनिक अधिकारियों ने इसका संज्ञान लेने का दावा किया है।

रेप केस में फंसे स्टूडेंट ने कर लिया सुसाइड, पुलिस पर आरोप

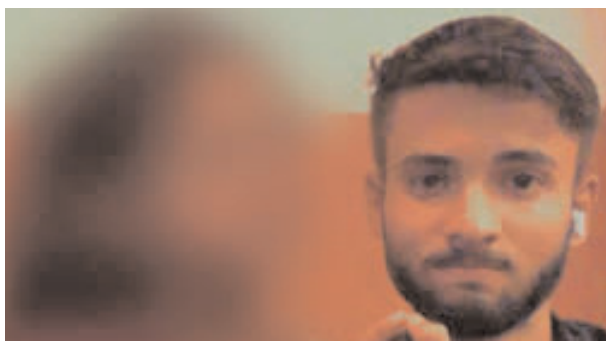

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। गौरव ने 11 महीने पहले एक महिला टीचर के पास इंग्लिश की कोचिंग जाना शुरू किया था। वह टीचर उससे तीन-चार साल बड़ी है। गौरव का टीचर से अफेयर हो गया। संबंध गहरा होने के बाद महिला टीचर उसे ब्लैकमेल करने लगी। वह गौरव से कहती थी कि दूसरी लड़कियों से बात मत करो। टीचर ने उससे कई बार हजारों रुपए लिए। जब पिता ने एक बार रुपए चुराते हुए पकड़ा तो गौरव ने बताया कि टीचर उसे ब्लैकमेल कर रही है। यह सारी बातें सुसाइड करने वाले बी.फार्मा के छात्र के परिजनों ने बताया। दरअसल, इंदौर में बी.फार्मा के एक स्टूडेंट ने सुसाइड कर लिया है। बताया जा रहा है कि उसकी कोचिंग टीचर ने उसके खिलाफ मंगलवार को महिला थाने में दुष्कर्म की शिकायत दर्ज कराई थी। मृतक का नाम गौरव है। उसके पिता का आरोप है कि कोचिंग टीचर उसे लगातार परेशान कर रही थी। टीचर ने झूठे केस में फंसाने के कई सारे धमकी भरे मैसेज भी भेजे थे। परिजनों ने मोबाइल में स्क्रीन शॉट भी पुलिस को दिखाया है। मंगलवार की रात को जब उसकी छोटी बहन उसके कमरे में गई तो गौरव को फंदे पर लटके देखा। बहन ने पिता को सूचना दी। आनन-फानन में परिजन नजदीकी अस्पताल में गौरव को लेकर गए। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पोस्टमार्टम के बाद परिजनों ने पहले सूर्या होटल के सामने सड़क पर पुलिस के खिलाफ गुस्सा जताया और इसके बाद गुस्साए परिजनों ने एंबुलेंस में शव लेकर महिला थाने पहुंचे। थाने के बाहर ही धरने पर बैठ गए। पीड़ित परिवार के सदस्य दोषी पुलिस वालों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग करते रहे। हंगामा देख महिला थाने के बाहर पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी और बड़ी संख्या में पुलिस बल पहुंच गया। परिजनों का आरोप है कि क्षेत्र की रहने वाली इंग्लिश टीचर ने गौरव के खिलाफ महिला थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। इसके बाद पुलिस ने गौरव को गिरफ्तार कर लिया। बाद में रुपए लेकर उसे छोड़ दिया। थाने से छूटने के बाद वह घर आकर खूब रोया और अपने कमरे में जाकर फांसी लगा ली। अब उन्हें न्याय चाहिए। परिजनों की मांग है कि उस जिम्मेदार पुलिस अधिकारी पर कार्रवाई की जानी चाहिए, जिसकी कार्यशैली की वजह से गौरव डिप्रेशन का शिकार हुआ। करीब दो घंटे तक चले हंगामे के बाद पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी परिजनों से चर्चा करते रहे और अंत में जब अधिकारियों ने कार्रवाई का लिखित आश्वासन दिया, तब जाकर परिजन माने और शव को लेकर रवाना हुए।

इंदौर नगर निगम घोटाले के आरोपितों के म्यूचुअल फंड और बैंक खाते ईडी ने किए फ्रीज

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर नगर निगम में फर्जी बिल घोटाले के आरोपितों के बैंक खातों के साथ उनके निवेश, म्यूचुअल फंड और शेयर के खातों को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने फ्रीज कर दिया है। दो दिन से जारी जांच के दौरान ईडी ने इंदौर नगर निगम में हुए घोटाले के आरोपितों पर यह कार्रवाई की है।

ईडी की टीमों ने 5 और 6 अगस्त को इंदौर में करीब 20 ठिकानों पर छापा मारते हुए जांच शुरू की थी। कुल सवा करोड़ रुपये की नकदी भी जब्त की है। ईडी के अनुसार इस रुपये का हिसाब नहीं मिलने के कारण जब्त किया गया है।

फर्जी बिलों से 150 करोड़ रुपये का घोटाला

हालांकि घोटाले के सरगना माने जा रहे नगर निगम के निलंबित इंजीनियर अभय राठौर और अकाउंटेंट अनिल गर्ग के ठिकानों से ईडी कुछ खास बरामद नहीं कर सकी। नगर निगम में फर्जी बिलों के जरिए कम से कम 150 करोड़ रुपये का घोटाला किया

गया है।घोटाले का सरगना बताया जा रहा निगम का निलंबित इंजीनियर अभय राठौर और अकाउंटेंट अनिल गर्ग जेल में ही है। इन सबके साथ करीब 15 आरोपितों के 20 ठिकानों पर ईडी ने जांच की है। अभय राठौर के बहनोई राकेशसिंह चौहान के घर भी ईडी पहुंची थी।

बताया जा रहा है कि मदीना नगर में मोहम्मद साजिद, मोहम्मद सिद्धिकी जो निगम में ठेकेदारों के रूप में जुड़े थे और फर्जी बिल बोगस फर्मों से बना रहे थे, इनके ठिकानों से नकदी मिली है। इसके साथ हरीश श्रीवास्तव, एहतेशाम खान, जाहिद खान के यहां से भी ईडी को दस्तावेज मिले हैं।

फर्जी फर्म बनाने वाले आशीष नगर निवासी रिश्तेदार रेणु वडेरा, राहुल वडेरा, अनिल गर्ग के ठिकानों से खास दस्तावेज ईडी के हाथ नहीं लगे। ठेकेदार राजकुमार साल्वी, उदयसिंह भदोरिया, मुरलीधर कर्ता और मौसम व्यास के ठिकानों से दस्तावेज के साथ इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड भी जब्त किए गए हैं। इसमें मोबाइल भी शामिल हैं।

ईडी ने सवा करोड़ नकद के साथ 20 करोड़ रुपये से ज्यादा की जब्ती दिखाई है।

इसमें आरोपितों के यहां से मिले शेयर, बांड और म्यूचुअल फंड आदि के दस्तावेज शामिल हैं। साथ ही कुछ एफडीआर व बैंक खातों की जानकारी भी है। ईडी ने इन सभी को फ्रीज कर दिया है। आरोपित केस का निराकरण नहीं होने तक इन निवेशों को न तो भुना पाएंगे न ट्रांसफर कर सकेंगे।

राजधानी में खिली और धूप डिंडोरी में झमाझम, सीजन में 65 फीसदी हुई

प्रदेश में एक सप्ताह तक भारी बारिश से राहत

सिटी चीफ भोपाल।

अगले एक सप्ताह के लिए प्रदेश के ज्यादातर क्षेत्रों में भारी बारिश से राहत रहेगी, बुधवार को राजधानी भोपाल में हल्की धूप खिली रही वहीं डिंडोरी में दोपहर बाद तेज बारिश हुई। मौसम विभाग का कहना है कि झमाझम से फिलहाल राहत है। प्रदेश में अब तक सीजन की 65% यानी 24.5 इंच बारिश हो चुकी है जबलपुर संभाग में सबसे ज्यादा वर्षा हुई है। ओडिशा के पास बने चक्रवात के गुरुवार को कम दबाव के क्षेत्र में परिवर्तित होने के आसार हैं। हालांकि इस मौसम प्रणाली का मध्य प्रदेश में विशेष प्रभाव होने की संभावना कम दिख रही है। फिलहाल ग्वालियर, चंबल, रीवा, शहडोल, सागर संभाग के जिलों में कहीं-कहीं मध्यम वर्षा हो सकती है।

बंगाल की खाड़ी में हवा के ऊपरी भाग में एक चक्रवात बना

भोपाल मौसम विज्ञानियों के मुताबिक बंगाल की खाड़ी में हवा के ऊपरी भाग में एक चक्रवात बन गया है। इसके गुरुवार को कम दबाव के क्षेत्र में परिवर्तित होने की भी संभावना है, लेकिन इसका विशेष प्रभाव पड़ने की उम्मीद कुछ कम नजर आ रही हैं। इस वजह से प्रदेश में फिलहाल ग्वालियर, चंबल, रीवा, शहडोल, सागर संभाग के जिलों में कहीं-कहीं हल्की से मध्यम वर्षा होने की ही संभावना है। सीनियर वैज्ञानिक डॉ.दिव्या सुरेंद्र ई ने बताया कि मानसून ट्रफ ग्वालियर होकर बंगाल की खाड़ी की ओर जा रही है।

बंगाल के इस साइक्लोनिक सकुर्लेशन सिस्टम है। इस वजह से कुछ जिला में बारिश का दौर जारी रहेगा।

मौसम विभाग का अलर्ट

बालघाट, सिवनी, छिंदवाड़ा, पांढुर्ना, दक्षिणी बैतूल, नरसिंहपुर, नर्मदापुरम पचमढ़ी, सागर, दमोह, टीकमगढ़ में बिजली के साथ भारी बारिश जारी रहने की संभावना है। साथ ही सीधी, सिंगरौली, मऊगंज, रीवा में मध्यम बारिश जारी रहने की संभावना है।

कटनी, उमरिया बांधवगढ़, जबलपुर भेड़ाघाट, मंडला, निवाड़ी ओरछा, छतरपुर खजुराहो, विदिशा उदयगिरि, रायसेन सांची भीमबेटका, उत्तरी बैतूल, हरदा, खंडवा, अशोकनगर, दतिया, मुरैना, ग्वालियर, शिवपुरी भोपाल, सीहोर, पन्ना, सतना चित्रकूट, मैहर, डिंडोरी, अनुपपुर अमरकंटक, शहडोल, भिंड, श्योपुर, बुरहानपुर, खरगोन, राजगढ़, आगर, गुना में हल्की बारिश का अनुमान है।

झपिछले 24 घंटे में हुई वर्षा

पिछले 24 घंटों के दौरान मलाजखंड में 11.8, खंडवा छह छिंदवाड़ा में 3.3, नौगांव, धार में तीन, भोपाल में 2.4, रतलाम में दो, सागर में 1.8, खजुराहो में 1.6, इंदौर 1.3, मंडला में 0.6, नर्मदापुरम, जबलपुर में 0.5, रायसेन, गुना एवं उज्जैन में 0.4 मिलीमीटर वर्षा हुई। मौसम विज्ञान केंद्र से मिली जानकारी के मुताबिक वर्तमान में पश्चिम बंगाल के गांगेय क्षेत्र एवं उससे लगे उत्तरी ओडिशा पर हवा के ऊपरी भाग में एक चक्रवात बना हुआ है। मानसून द्रोणिका गंगानगर, पिलानी, आगरा, चुर्क, रांची, दीघा से लेकर बंगाल की खाड़ी तक बनी हुई है। हरियाणा और उसके आसपास भी हवा के ऊपरी भाग में एक चक्रवात बना हुआ है। दक्षिणी गुजरात से लेकर कर्नाटक तक अपतटीय द्रोणिका बनी हुई है।

शिकायत लेकर रजिस्टार के पास पहुंचे छात्र नेता

कम फैकल्टी से काम चला रहे आरजीपीवी से मान्यता प्राप्त कॉलेज

सिटी चीफ भोपाल।

राजधानी भोपाल समेत प्रदेश भर के राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (आरजीपीवी) से मान्यता प्राप्त निजी इंजीनियरिंग कॉलेज कम फैकल्टी में कॉलेज का संचालन कर रहे हैं। जिससे विद्यार्थियों के भविष्य पर असर पड़ेगा। इसकी शिकायत बुधवार को छात्र संगठनों ने आरजीपीवी के रजिस्टार से की है। एनएसयूआई छात्र नेता अंकित भारद्वाज एवं मौसम डेहरिया द्वारा राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय से संबधित मान्यता प्राप्त कॉलेज मे हो रही अनिमित्ता के खिलाफ आरजीपीवी वाइस चांसलर को ज्ञापन दिया। जिसमें बताया गया है कि विश्वविद्यालय से मान्यता प्राप्त प्राईवेट इंजीनियरिंग कॉलेज विश्वविद्यालय के नियमों को ताक में रख कर कालेज चला रहे है।

छात्र संगठनों में कॉलेजो में बताई यह कमियां

1.- आरजीपीवी से मान्यता प्राप्त सभी प्राईवेट इंजीनियरिंग कॉलेज बिना फैकल्टी के ही कॉलेज का संचालन किया जा रहा है, ऐसे महाविधालयों पर कार्यवाही की जायें।

2.- लगभग सभी निजी महाविधालयों में छात्रों से 75 प्रतिशत अटेन्डेन्स करने के नाम पर छात्रों से करोड़ों रूपए फाईन वसूल रहे है। इस पर कमेटी बनाकर जांच की जायें।

3- आनलाईन परीक्षा फार्म भरते समय कभी-कभी फीस कट जाती है और फार्म नही भरता है, जिससे छात्रों को दोबारा फार्म भरना पड़ता है और छात्रों द्वारा आरजीपीवी को मेल करके फीस वापस करने के लिए आग्रह किया जाता है, किन्तु महिनों तक छात्रों की फीस वापस नही आती है। छात्रों की फीस एक सप्ताह में वापस की जायें। 4- टीएफडब्ल्यू द्वारा कॉलेजों में एडमिशन लेने वाले छात्रों से पूरी फीस वसूल की जा रही है। ऐसे कॉलेजों को चिन्हित कर कड़ी से कड़ी कार्यवाही की जायें। यदि हमारी मांगों को शीघ्र निराकरण नहीं किया जाता है तो छैन्प् उग्र आंदोलन करने के लिये बाध्य होना पड़ेग, जिसकी पूर्ण जिम्मेदारी सिर्फ और सिर्फ आपकी होगी।

अभयारण्यों में क्षमतानुसार रखे जा सकेंगे पांच से 25 हजार तक गोवंशीय पशु

प्रदेश में बनेंगे नौ गो-अभयारण्य, आवारा पशुओं की होगी बेहतर देखभाल

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। मध्य प्रदेश के संभागीय मुख्यालय वाले नौ जिलों में निराश्रित गोवंशीय पशुओं की बेहतर देखभाल के लिए गो-अभ्यारण्य बनाए जाएंगे। प्रत्येक अभयारण्य के निर्माण में 18 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। इसके संचालन की जिम्मेवारी किसी गैर सरकारी संगठन को दी जाएगी। संगठन आय बढ़ाने के लिए वहां कुछ दुधारू गायों को भी रख सकेगा।

पशुपालन विभाग के प्रमुख सचिव गुलशन बामरा के अनुसार मध्य प्रदेश में लगभग 10 लाख निराश्रित गोवंशीय पशु हैं, जिसमें तीन लाख गोशालाओं में और बाकी खुले में है। निराश्रित होने के कारण गोवंशीय पशु राजमार्गों में दुर्घटनाओं का शिकार होते रहते हैं। अभयारण्यों में क्षमतानुसार पांच से 25 हजार तक गोवंशीय पशु रखे जा सकेंगे। बता दें कि आगर मालवा के सलरिया में एक गो-अभ्यारण्य पहले से संचालित हो रहा है, जो 472 हेक्टेयर क्षेत्र में बना हुआ है। इसे भी विस्तारित करने की योजना है।

गोशालाओं से इस तरह अलग होंगे अभयारण्य

गोशालाओं में गायों को चरने की सुविधा नहीं रहती। अभयारण्य ऐसी जगह बनाए जाएंगे, जहां वह वन में घास चरने के लिए जा सकेंगी। इस क्षेत्र को किसी तरह की फेंसिंग से सुरक्षित किया जाएगा, जिससे गोवंश बाहर न जा सके और न ही उन्हें जंगली जानवरों से खतरा रहे। गोशालाओं में उन गायों को रखा जाता है, जो दूध नहीं दे रही हैं, पर गो-अभयारण्य में दुधारू गायों को भी रखा जा सकेगा।

यहां अभयारण्य बनाने का प्रस्ताव

टीकमगढ़ में चरपुंवा, मंदसौर में मोरखेड़ा, पन्ना में शिकारपुरा, अशोकनगर में नडेर, रायसेन में चिखलोद कला, खरगोन में ओखला, सतना में पड़मनिया जागीर, जबलुपर में देहरीकलां या देहरीखुर्द और सागर में देवल।

हर घर तिरंगा अभियान में किसी वार्ड या ग्राम में झंडों की कमी ना हो : सीएम

सिटी चीफ भोपाल।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश स्तरीय वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अधिकारियों के साथ बैठक की और हर घर तिरंगा अभियान के आयोजन के संबंध में निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में हर घर तिरंगा अभियान और 15 अगस्त को जन उत्सव के रूप में मनाया जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे सुनिश्चित करें कि किसी भी वार्ड या ग्राम में तिरंगे झंडो की कमी ना हो। उन्होंने स्व सहायता समूहों के माध्यम से शत प्रतिशत आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए व्यवस्था करने के निर्देश भी दिए। मुख्यमंत्री ने प्रदेश में जारी वर्षा को देखते हुए सावधानियां बरतने और आवश्यक निगरानी व मॉनिटरिंग के निर्देश दिए। इस अवसर पर नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय उपस्थित थे। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में मंत्री गण, नगरीय निकायों और पंचायती राज संस्थाओं के जनप्रतिनिधि तथा संभाग व जिला स्तरीय अधिकारियों ने वर्चुअल सहभागिता की।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि हर घर तिरंगा अभियान के तहत विभिन्न गतिविधियों होगी। जिनमें तिरंगा यात्राएं, रैलियां, मैराथन, संगीत कार्यक्रम, कैनवास, सेल्फी और मेले शामिल हैं। इन गतिविधियों का उद्देश्य देशभक्ति की भावना को बढ़ावा देना और जन भागीदारी को प्रोत्साहित करना है। इसके अलावा मुख्यमंत्री 10 अगस्त को श्योपुर जिले में आयोजित कार्यक्रम से प्रदेश की सभी लाड़ली बहनों के खातों में 1900 करोड़ रुपये की राशि स्थानांतरित करेंगे। यह राशि लाड़ली बहना योजना के तहत अगस्त माह के 1250 रुपये के साथ-साथ विशेष सहायता के रूप में 250 रुपये की होगी। प्रदेश में रक्षाबंधन और सावन उत्सव के अवसर पर 10 अगस्त को 25 हजार स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने प्रदेश सरकार पर लगाया बड़ा आरोप

शिवराज सिंह के समय शुरू किए गए 47 विभागों की 125 योजनाओं को सरकार ने रोका

सिटी चीफ भोपाल।

मध्य प्रदेश कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने मध्य प्रदेश सरकार पर बड़ा आरोप लगाते हुए कहा है कि लाड़ली लक्ष्मी, पीएम जन आरोग्य (आयुष्मान भारत), महाकाल विकास समेत 47 विभागों की 125 योजनाओं को मप्र सरकार ने रोक दिया है? ये वही योजनाएं हैं, जिन्हें पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज जी ने शुरू किया था। पटवारी ने आगे कहा कि राज्य के बजट के बाद, वित्त विभाग ने निर्देश दिया है कि इन योजनाओं के लिए पैसा उसकी अनुमति के बिना नहीं निकाला जा सकता है। यही वजह है कि लाड़ली लक्ष्मी और 124 अन्य योजनाओं का फंड रुका हुआ है। जबकि बजट के एक हफ्ते बाद जेट विमान खरीदने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी, लेकिन राम वन गमन पथ, मंत्री बंगलों का नवीनीकरण और तीर्थ यात्रा जैसी कई योजनाओं के लिए धन रोकने का फैसला कर लिया। पटवारी ने कहा कि फंड-होल्ड सूची में डाली गई परियोजनाओं के मामले में स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग को सबसे बड़ी मार पड़ी है। इसके बाद शहरी विकास और आवास विभाग, किसान कल्याण और कृषि विकास का नंबर है। उन्होंने कहा कि सच यह है बीजेपी में गहरे किस्म का अंतर्विरोध पनप गया है। वर्तमान मुख्यमंत्री, पूर्व मुख्यमंत्री की योजनाओं, नीतियों को निशाना बना रहे हैं। ऐसी योजनाएं जिनका समर्थन खुद प्रधानमंत्री ने भी किया था।

कमीशन के खेल को खुली छूट देने का पूरा प्रबंध किया

पटवारी ने कहा कि एमपी बीजेपी सरकार का बजट आदेश यह भी बता रहा है कि कमीशन के खेल को खुली छूट देने का पूरा प्रबंध किया गया है। मुख्यमंत्री की लग्जरी का भी ध्यान रखा गया है, लेकिन लाड़ली बहनों को 3000 प्रतिमाह देने में कंजूसी की जा रही है। पिछले साल नवंबर में विधानसभा चुनाव के बाद बनी मोहन सरकार को 3.5 लाख करोड़ रुपए का कर्ज विरासत में, यानी शिवराज सिंह चौहान सत्ता से मिला था, क्योंकि, तब भी सरकार कर्ज लेकर ही सरक रही थी।

केवल 3 महीनों में 17,500 करोड़ रुपए का कर्ज लिया

पटवारी ने कहा कि ध्यान देने योग्य तथ्य यह भी है कि मप्र सरकार ने पिछले वित्त वर्ष में 42,500 करोड़ रुपये का ऋण लिया था। फिर मोहन यादव सरकार ने मार्च तक, मतलब केवल 3 महीनों में 17,500 करोड़ रुपए का कर्ज ले लिया।

समय पर जांच सुविधा की उपलब्धता सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

हमीदिया के कैथ लैब शिफ्टिंग में देरी पर डिप्टी सीएम हुए नाराज

सिटी चीफ भोपाल।

हमीदिया के कैथ लैब शिफ्टिंग में देरी पर उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने अधिकारियों पर नाराजगी जताई। उन्होंने बैठक में कहा है कि मेडिकल कॉलेज में शोध कार्यों को बढ़ावा देने के प्रयास किए जाएं। शोध कार्य के लिए आवश्यक फंड की उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं को सशक्त और स्वास्थ्य संबंधी नवीन चुनौतियों का सामना करने के लिए शोध कार्य अहम है। उन्होंने विद्यार्थियों को उत्कृष्ट शिक्षा प्रदाय के लिए सदैव प्रयासरत रहने के निर्देश दिए। उप-मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि मेडिकल कॉलेज से शिक्षा प्राप्त चिकित्सक ऐसे हों कि उनकी प्रतिभा देश-विदेश में स्थापित हो।

उप-मुख्यमंत्री शुक्ल ने गांधी मेडिकल कॉलेज स्वशासी समिति भोपाल के विगत वित्तीय वर्ष (2023-24) के आय-व्यय की समीक्षा की। उन्होंने छात्रावासों के उन्नयन और आवश्यकतानुसार नवनिर्माण का प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए। उप-मुख्यमंत्री ने कहा कि मेडिकल कॉलेज में अत्याधुनिक जांच सुविधाओं के लिए बजट में आवश्यक प्रावधान किए गए हैं। नागरिकों को सहजता से एवं समय पर जांच सुविधा की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए।

3 माह में पूर्ण होगा शिफ्टिंग कार्य

उप-मुख्यमंत्री शुक्ल ने हमीदिया चिकित्सालय में कैथलैब शिफ्टिंग कार्य में हुए विलंब पर नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने निर्देश दिए कि अविलंब शिफ्टिंग का कार्य पूर्ण किया जाए तथा मरीजों को असुविधा न हो यह सुनिश्चित करें। संबंधित विभागीय अधिकारी ने बताया औपचारिकताएं एवं सक्षम अनुमतियां (जिनमें एईआरबी की अनुमति भी शामिल है) प्राप्त कर ली गई हैं, शिफ्टिंग कार्य 3 माह के अंदर पूर्ण कर लिया जाएगा। उप-मुख्यमंत्री शुक्ल ने परिसर में प्रगतिरत एवं

प्रस्तावित नवीन ओपीडी ब्लॉक, मल्टी लेवल पार्किंग, गर्ल्स हॉस्टल निर्माण आदि की प्रगति की समीक्षा की।

कैंसर उपचार के लिए अत्याधुनिक मशीनें हमीदिया में शीघ्र होगी स्थापित

उप-मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि हमीदिया हॉस्पिटल प्रदेश का महत्वपूर्ण चिकित्सालय है यहां पर पूरे प्रदेश से मरीज स्वास्थ्य सेवाओं के लिए आते हैं, इसलिए आवश्यक है कि यहां अत्याधुनिक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हों। उन्होंने कहा कि हमीदिया हॉस्पिटल में कैंसर के उपचार के लिए अत्याधुनिक लायनैक मशीन स्वीकृत की गयी है। इस मशीन के समयबद्ध इंस्टालेशन के लिए आवश्यक कार्य समय से पूर्ण कर लिए जाए। उप-मुख्यमंत्री शुक्ल ने हमीदिया चिकित्सालय में सहायक चिकित्सकीय एवं अन्य सहयोगी स्टाफ की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। समस्त उपस्थितों ने अंगदान करने और अन्य लोगों को अंगदान के लिए प्रेरित करने की शपथ ली।

स्वशासी समिति को 28 करोड़ 30 लाख मिला

उल्लेखनीय है विगत वित्तीय वर्ष (2023-24) में गांधी मेडिकल कॉलेज स्वशासी समिति को 28 करोड़ 30 लाख रुपये की राशि प्राप्त हुई और 28 करोड़ 97 लाख रुपये का व्यय किया गया है। समिति द्वारा वर्तमान वित्तीय वर्ष (2024-25) में 29 करोड़ 7 लाख की प्राप्तियों का आंकलन किया गया है और 30 करोड़ 65 लाख के व्यय के प्रावधान का प्रस्ताव किया गया है। बैठक में विधायक भगवान दास सबनानी, महापौर भोपाल मालती राय, कमिश्नर भोपाल पवन कुमार शर्मा, अपर आयुक्त चिकित्सा शिक्षा डॉ पंकज जैन, डीन गांधी मेडिकल कॉलेज भोपाल डॉ कविता सिंह, संचालक चिकित्सा शिक्षा डॉ अरुण श्रीवास्तव, अधीक्षक हमीदिया हॉस्पिटल डॉ सुनीत टंडन सहित स्वशासी समिति के सदस्य, मेडिकल कॉलेज के विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, विभागीय अधिकारी निर्माण एजेंसियों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

सम्पादकीय

विनेश फोगाट के बहाने महिलाओं के वजन की बात...

देश की बेटी विनेश फोगाट से सोने की उम्मीद थी। इसके लिए वे अंतिम दांव लगाने-लगाने को थी लेकिन किसे पता था कि सिर्फ 100 ग्राम बढ़े वजन के कारण उन्हें ओलंपिक से ही बाहर होना पड़ेगा। इस सदमे वाली स्थिति में देश की एक दूसरी बेटी की शानदारी जिजीविषा को याद रखना चाहिए। वह भी सिर्फ कुछ समय पहले की बात है। ओलंपिक चैंपियन मैरी कॉम ने अपना 2 किलो वजन सिर्फ 4 घंटों में कम लिया था। यह दुनियाभर की महिलाओं के लिए नजीर है।

देश की बेटी विनेश फोगाट से सोने की उम्मीद थी। इसके लिए वे अंतिम दांव लगाने-लगाने को थी लेकिन किसे पता था कि सिर्फ 100 ग्राम बढ़े वजन के कारण उन्हें ओलंपिक से ही बाहर होना पड़ेगा। इस सदमे वाली स्थिति में देश की एक दूसरी बेटी की शानदारी जिजीविषा को याद रखना चाहिए। वह भी सिर्फ कुछ समय पहले की बात है। ओलंपिक चैंपियन मैरी कॉम ने अपना 2 किलो वजन सिर्फ 4 घंटों में कम लिया था। यह दुनियाभर की महिलाओं के लिए नजीर है। हाल में संपन्न हुए पोलैंड में सिलसियान ओपन बॉक्सिंग टूर्नामेंट में मैरी कॉम ने भाग लिया था लेकिन 2 किलो ज्यादा वजन इसमें आड़े आ रहा था। फिर क्या था, मैरी कॉम ने खेल से कुछ समय पहले वजन घटाने पर अपना काम करना शुरू कर दिया और सिर्फ चार घंटे के अंदर अपना यह बढ़ा हुआ वजन कम कर लिया। वजन कम करने के बाद वे 48 किलोग्राम कैटगरी वाले बॉक्सिंग में भाग ले सकी। जब कोई महीनों तक एक्सरसाइज और डाइटिंग पर रहता है तो भी दो किलो वजन कम नहीं होता है, ऐसे में आखिर कैसे मैरी कॉम ने यह हैरतअंगेज नजीर पेश की। मैरी कॉम ने इसका जवाब देते हुए बताया था कि इसके लिए उन्होंने लगातार स्कीपिंग रोप का सहारा लिया। स्कीपिंग रोप यानी रस्सी कूद से जीतोड़ मेहनत की। इसमें रस्सी के सहारे दोनों पैरों को उपर किया जाता और तेज गति से रस्सी को पैरों के नीचे से निकाला जाता है। उन्होंने कहा कि खेल में वजन लेने से कुछ घंटे पहले मैंने स्किपिंग करना शुरू किया और खेल से तुरंत पहले मैं तैयार हो गई। रस्सी कूद के कई फायदे हैं। इसमें बहुत तेज पसीना निकलता है जिसके कारण शरीर में रूका हुआ सारा पानी निकल जाता है। इससे जल्दी वजन गिरने लगता है। एक खबर के मुताबिक रस्सी कूद एक तरह से कार्डियो एक्सरसाइज है। इससे हार्ट हेल्दी रहता है। इससे न सिर्फ आपका हार्ट मजबूत होता है बल्कि यह आपकी स्टेमिना को भी बूस्ट करता है जिससे खेल में स्फूर्ति आती है। इसके अलावा यह सांस लेने में दिक्कत की किसी भी अंदेशा को कम करता है। रस्सी कूद एक्सरसाइज से आपके पैर और बॉडी के निचले हिस्से के मसल्स में टोन आते हैं जिससे मसल्स की फ्लेक्सिबिलिटी बढ़ती है। रस्सी कूद को आप खेल-खेल में पूरा कर सकते हैं। इसके लिए किसी जिम जाने की जरूरत नहीं है। रस्सी कूद से आपकी स्किन में ग्लो आ सकती है। अगर आप सिर्फ 15 मिनट रोज रस्सी कूद करे तो स्किन लंबे समय तक जवां दिखेंगी। रस्सी कूद शरीर में ब्लड सर्कुलेशन को बढ़ाता है जिसके कारण शरीर के कतरे-कतरे में पोषक तत्वों को पहुंचने में दिक्कत नहीं होती। वहीं रस्सी कूद से बोन डेंसिटी भी बढ़ती है जिससे हड्डियां मजबूत होती है। लगातार रस्सी कूदने से शरीर में से हैप्पी हार्मोन रिलीज होते हैं। इसकी वजह से व्यक्ति काफी सक्रिय रहता है और उसका मूड भी ठीक रहता है। रोजाना रस्सी कूदने से बार-बार मूड स्विंग की समस्या से बचा जा सकता है। इसके अलावा यह शरीर को तनाव और डिप्रेशन जैसी समसयाओं को दूर रखने में मदद करता है। यह बात भी सही है कि महिलाओं का मेटाबॉलिज्म ज्यादातर धीमा होता है। लिहाजा, वजन कम करना महिलाओं के लिए पुरुषों की तुलना में ज्यादा मुश्किल होता है। मेनोपॉज का समय आते-आते यह और भी धीमा हो जाता है। अगर कोई महिला हाइपोथायरॉइडिज्म का शिकार हो जाती हैं यानी थाइरॉइड हार्मोन का पर्याप्त मात्रा में स्राव नहीं होता है, तो भी मेटाबॉलिज्म धीमा हो सकता है। अकसर कहते हैं कि तनाव में वजन कम हो गया। पर, ऐसा नहीं होता। तनाव के कारण शरीर में कोर्टिसोल सहित कई हार्मोन्स का संतुलन बिगड़ सकता है। तनाव के समय हमारा शरीर लड़ो या भागो की स्थिति में होता है। इस वजह से शरीर में एड्रेनालाईन हार्मोन का स्राव बढ़ जाता है। और जब हम सामान्य होते हैं तो कोर्टिसोल या तनाव हार्मोन सिस्टम में बना रहता है, जो शरीर को फिर से ऊर्जा भरने के लिए प्रोत्साहित करता है। नतीजा, ज्यादा कैलोरी, कम पोषण वाली चीजों को खाने का मन करने लगता है। इतना ही नहीं, लगातार रहने वाले तनाव के कारण विसरल फैट बढ़ता है, जिसमें पेट के आस-पास के अंगों पर वसा जमा होती है। यह वसा हृदय रोग, टाइप-टू डायबिटीज सहित तमाम हानिकारक बीमारियों का खतरा बढ़ा देती है। इतना ही नहीं, कुछ लोग तनाव में ज्यादा खाने लगते हैं, जिसके कारण भी वजन बढ़ने लगता है।

धर्म की बुनियाद पर बने देशों में सांप्रदायिक नफरत का जिन्न

बांग्लादेश में जो आंदोलन आरक्षण विरोध को लेकर शुरू हुआ था, वह सत्ता शेख हसीना हटाओ आंदोलन में कैसे बदला और उसकी एक दिशा हिंदू अल्पसंख्यकों पर हमलों में कैसे तब्दील हो गई। वहां के पीड़ित हिंदुओं का दोष शायद इतना ही था कि देश की कुल आबादी का महज 8 फीसदी रहे हिंदुओं में ज्यादातर हटाई गई पीएम शेख हसीना वाजेद की पार्टी के समर्थक थे।

पड़ोसी देश और कभी भारत का ही हिस्सा रहे बांग्लादेश देश में 5 अगस्त को हुए तख्ता पलट के बाद भारत में दो नैरेटिव सामने आ रहे हैं। पहला तो यह कि धर्म की बुनियाद पर बने देशों में साम्प्रदायिक नफरत का जिन्न मौका मिलते ही फिर सिर उठाने लगता है, और दूसरा यह कि भारत में सत्ता का चरित्र बांग्लादेश जैसा ही रहा तो यहां भी तख्ता पलट की आशंका है, जिसमें विदेशी ताकतें भी अपना खेल कर सकती हैं। दरअसल, भारत को बांग्लादेश के घटनाक्रम से सबक लेना चाहिए। इसमें भी पहला नैरेटिव अनुभव और परिस्थितिजन्य है तो दूसरा नरेटिव शुद्ध रूप से राजनीतिक है। हमें दोनों नैरेटिव्स को उनके संदर्भों में समझना होगा।

पहले नरेटिव को देखें तो बांग्लादेश में जो आंदोलन आरक्षण विरोध को लेकर शुरू हुआ था, वह सत्ता शेख हसीना हटाओ आंदोलन में कैसे बदला और उसकी एक दिशा हिंदू अल्पसंख्यकों पर हमलों में कैसे तब्दील हो गई। वहां के पीड़ित हिंदुओं का दोष शायद इतना ही था कि देश की कुल आबादी का महज 8 फीसदी रहे हिंदुओं में ज्यादातर हटाई गई पीएम शेख हसीना वाजेद की पार्टी के समर्थक थे। जो खबरें आ रही हैं, उसके मुताबिक बांग्लादेश के 27 जिलों में हिंदू मंदिरों और हिंदुओं पर हमले और लूटपाट हुई है। दो हिंदू नेताओं को मार दिया गया है।

हालांकि, एक खबर यह भी आ रही है कि हिंसा का यह रूप उतना व्यापक नहीं है, जितनी की आशंका थी। बांग्लादेशी हिंदुओं के बड़े संगठन बांग्लादेश जातीय महाजोत के अध्यक्ष गोविंद चंद्र प्रामाणिक का कहना है कि 5 अगस्त की शाम कुछ हिंदू नेताओं पर हमला हुआ। फिर कुछ मंदिरों को नुकसान पहुंचाने की कोशिश की गई, लेकिन अब हालात पहले से काफी बेहतर हैं। हालांकि, प्रामाणिक का यह बयान राजनीतिक और मजबूरी में दिया गया ज्यादा लगता है। क्योंकि वह शेख हसीना को भी साम्प्रदायिक बताते हैं और कहते हैं कि वो मुस्लिम परस्त थीं साथ ही शेख हसीना की विरोधी बीएनपी और जमायते इस्लामी की तारीफ भी करते हैं।

दूसरी तरफ बांग्लादेश की एक भुक्तभोगी हिंदू महिला का एक वीडियो भी वायरल हो रहा है, जिसमें वो कह रही है कि सेना कुछ जगह हिंदुओं की रक्षा कर रही है, लेकिन वह मुख्य मार्गों पर ही है। अंदरूनी इलाकों में हिंदुओं के खिलाफ हिंसा बेखौफ जारी है। इस बात की गंभीरता को इससे भी समझा जा सकता है कि अब अमेरिका, जिसके खुद तख्ता पलट साजिश में शामिल होने की आशंका है, उसने भी बांग्लादेश में हिंदुओं की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई है। वैसे भी वहां प्रतिपक्षी बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) तथा जमायते इस्लामी को कट्टर राष्ट्रवादी और मुस्लिम परस्त पार्टियां माना जाता है। वैसे भारत, पाकिस्तान और बांग्लादेश के इतिहास में अगस्त महीने का बड़ा महत्व है। अविभाजित भारत में 'बंग भंग आंदोलन' की समाप्ति के बाद अंग्रेजों की शह पर ऑल इंडिया मुस्लिम लीग की स्थापना 1906 में तत्कालीन बंगाल और आज के बांग्लादेश की राजधानी ढाका में ही हुई थी। इस घटना के 41 साल बाद देश के दो टुकड़े हो गए थे। मुस्लिम लीग की स्थापना में ढाका के नवाब ख्वाजा सलीमुल्लाह की विशेष भूमिका थी।

यहां भारत में 9 अगस्त को हर साल अगस्त क्रांति दिवस के रूप में याद किया जाता है। क्योंकि इसी दिन 1942 में महात्मा गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस ने अंग्रजों भारत छोड़ो आंदोलन की शुरुआत की थी। यह ब्रिटिश सत्ता के खिलाफ भारतीयों का निर्णायक स्वतंत्रता आंदोलन था। इस आंदोलन के चार साल बाद जब मुस्लिम लीग ने धर्म के आधार पर दो राष्ट्रों की मांग को लेकर ब्रिटिश सरकार को अल्टीमेटम के रूप में डायरेक्ट एक्शन का ऐलान किया, वह तारीख भी 16 अगस्त 1946 थी। मुस्लिम लीग ने उस दिन आम हड़ताल का आह्वान किया था, जिसका कांग्रेस और हिंदूवादी संगठनों ने विरोध किया। इसके बाद अविभाजित बंगाल के कोलकाता, नोआखाली व आसपास के इलाकों में भयंकर मारकाट शुरू हो गई, जिसमें करीब 4 हजार लोग मारे गए। 1 लाख से ज्यादा घायल हुए। हालांकि, इस हिंसा को शुरू करने को लेकर कांग्रेस और मुस्लिम लीग ने एक दूसरे पर आरोप लगाए थे। लेकिन मानो यही काफी नहीं था।

देश में हिंसा का दूसरा दौर आजादी के समय शुरू हुआ। 14 और 15 अगस्त की आधी रात को पूर्व का अखंड भारत, भारत और पाकिस्तान नामक धर्म के आधार पर दो देशों में विभाजित कर दिया गया। शुरू में दोनों देशों का स्वतंत्रता दिवस एक ही था। लेकिन बाद में पाकिस्तान 14 अगस्त को अपना यौम- ए- आजादी घोषित किया। उसी दिन कराची में सत्ता का हस्तांतरण पाकिस्तान मुस्लिम लीग को हुआ था।

1971 में पाकिस्तान से अलग होकर नवोदित बांग्लादेश बना और पूर्व में पाकिस्तान बनने वाली पाकिस्तान मुस्लिम लीग भी अप्रासंगिक हो गई। वहां 8 अगस्त 1976 को नई बांग्लादेश मुस्लिम लीग नामक पार्टी की स्थापना हुई। अब यह पार्टी भी तीन धड़ो में बंट गई है और बांग्लादेश में वो कोई बड़ी राजनीतिक ताकत नहीं है। उसकी विचारधारा को आगे बढ़ाने का काम अब बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी और जमायते इस्लामी कर रही हैं।

यह भी विडंबना है कि जिस आधुनिक बांग्लादेश की स्थापना शेख मुजीबुर्रहमान ने की थी और जिन्हें आदर के साथ वहां राष्ट्रपिता कहा जाता है, उनकी हत्या भी 15 अगस्त 1975 को हुई थी। और अब 5 अगस्त को बांग्लादेश में उनकी मूर्तियां तोड़ दी गईं। किसी देश के नागरिकों द्वारा अपने ही राष्ट्रपिता का यह अपमान हैरान करने वाला है। यह बात अलग है कि शेख मुजीब खुद 1947 में पाकिस्तान बनवाने वाली मुस्लिम लीग के सक्रिय युवा नेता थे। फिर भी बांग्लादेश के लोगों की नाराजी शेख हसीना और अवामी लीग के प्रति हो सकती है, लेकिन मुजीबुर्रहमान की मूर्तियां तोड़ने का क्या मतलब है?

इधर भारत में तीन साल पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 14 अगस्त को विभीषिका दिवस मनाने का ऐलान किया था, तब उसकी आलोचना यह कहकर की गई थी कि वो देश विभाजन की हिंसक त्रासदी की यादों को फिर से जिंदा कर नए सिरे से साम्प्रदायिक नफरत फैलाना चाहते हैं। बेशक बुरी यादों को सहेजना कोई भी नहीं चाहता। लेकिन यह भी कड़वा सच है कि 14 अगस्त 1947 को भड़के दंगों में अकेले कोलकाता में ही 500 हिंदू मारे गए थे।

कोलकाता और नोआखाली में भड़के भयंकर साम्प्रदायिक दंगों को रुकवाने महात्मा गांधी को वहां जाना पड़ा। उसके बाद हिंसा थमी। अब 5 अगस्त 2024 को बांग्लादेश में राजनीतिक आंदोलन के समानांतर जो साम्प्रदायिक हिंसा देखने को मिली, वह इस बात की झलक जरूर है कि 14 अगस्त 1947 को तत्कालीन भारत में क्या और कैसे हुआ होगा, खासकर बंगाल और पंजाब में जहां भीषण रक्तपात हुआ। पंजाब में तो 2 लाख लोग मारे गए और 20 लाख लोग बेघर हुए।

दूसरा नैरेटिव परोक्ष रूप से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी कार्यशैली पर कटाक्ष है। अर्थात उन्होंने जनता की बात नहीं सुनी और अपने हिसाब से ही काम करते रहे तो हालात भारत में भी बिगड़ सकते हैं। हम जिसे तख्ता पलट कह रहे हैं, बांग्लादेश में उसे नई क्रांति कहा जा रहा है। हालांकि, भारत और बांग्लादेश के राजनीतिक, सामाजिक चरित्र में बहुत अंतर है। एक आजादी का आंदोलन अलग रखें तो यहां कोई भी आंदोलन एक साथ समूचे देश को अपनी चपेट में नहीं ले सका है।

बांग्लादेश और पाकिस्तान जैसे देशों में सेना कभी परोक्ष तो कभी प्रत्यक्ष रूप से सत्ता का संचालन करती रही है। भारत में वैसा नहीं है। हमारी व्यापक विविधता और विशालता और संप्रभुता ही हमारा आत्म अंकुश है। यहां कई बार बड़े राजनीतिक आंदोलन हुए हैं, जातीय हिंसा भी हुई हैं, साम्प्रदायिक दंगे भी हुए हैं, लेकिन उसकी व्याप्ति सीमित क्षेत्र तक ही रही है। चुनावों के अलावा सत्ता परिवर्तन का कोई भी औजार यहां आसानी से काम नहीं कर सकता।

अगर शेख हसीना की तरह येन केन प्रकारेण सत्ता में बने रहने की प्रवृत्ति हावी हुई तो सबसे पहले जनता ही आपका साथ छोड़ेगी, यह तय है। लेकिन भारत में उसका तरीका अलग होगा। यहां मोदी को हटाना होगा तो जनता ही हटाएगी और दूसरे किसी को लाना होगा तो जनता ही लाएगी। कोई नैरेटिव सेट करने के पहले हमें अपनी आत्मशक्ति और आंतरिक चरित्र की ताकत को कम आंकने की भूल नहीं करनी चाहिए।

छात्र आंदोलन की आग में कई ताकतों ने रोटियां सेंकीं

इसमें तनिक भर भी संदेह नहीं है कि शेख हसीना के नेतृत्व में दक्षिण एशिया में उभर रही राजनीतिक स्थिरता और क्षेत्रीय सहयोग कई देशों की आंखों में चुभ रहा था। भारत के साथ उनके घनिष्ठ संबंधों ने न केवल विद्रोह और आतंकवाद से ग्रस्त क्षेत्र में व्यवस्था कायम की, साथ ही, आर्थिक समृद्धि को भी बढ़ावा दिया। ऐसे परिदृश्य में जब वह इसी वर्ष जून से पहले बांग्लादेश पर मजबूती से नियंत्रण रखती दिखाई दी हों, तो उनके तख्तापलट में विदेशी भागीदारी के होने का संदेह जताया जाना, चौंकाता नहीं है। हसीना के तख्तापलट में विदेशी हस्तक्षेप की आशंका जताने वाले अक्सर अमेरिका को प्रमुख संदिग्ध के रूप में इंगित करते हैं। दरअसल, बांग्लादेश की आजादी से भी पहले वहां के एक सैन्य अड्डे पर अमेरिका की नजर है। इसके पुख्ता प्रमाण हैं कि पूर्वी पाकिस्तान (अब बांग्लादेश) के मुक्ति संग्राम के दौरान अमेरिका ने सेंट मार्टिंस द्वीप पर सैन्य अड्डा स्थापित करने की अनुमति के बदले पूर्वी पाकिस्तानी नेताओं को समर्थन की पेशकश की थी। यह बात दीगर है कि इस प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया गया। लेकिन बांग्लादेश की आजादी के बाद भी अमेरिका इसके लिए प्रयास करता रहा। यह मुद्दा खासकर वरिष्ठ अमेरिकी सैन्य अधिकारियों की बांग्लादेश यात्रा के दौरान द्विपक्षीय यात्राओं में अक्सर उठता रहा। हाल ही में शेख हसीना ने भी खुलासा किया था कि अमेरिका के एक प्रतिनिधि ने बांग्लादेश में अमेरिकी सैन्य अड्डे के प्रस्ताव के साथ उनसे संपर्क किया था। हालांकि अपने राष्ट्रवादी रुख और अपने पिता शेख मुजीबुर रहमान की विरासत को लेकर अपनी प्रतिबद्धता का हवाला देते हुए उन्होंने अमेरिका के प्रस्ताव को खारिज कर दिया था। उन्होंने यह भी कहा था कि वह सत्ता में बने रहने के लिए बांग्लादेश को नहीं बेचेंगी। इसके अतिरिक्त, अमेरिका बांग्लादेश को अपनी इंडो-पैसिफिक रणनीति में शामिल करने की भी कोशिश कर रहा है, जिसका लक्ष्य अमेरिका के साथ उसके रक्षा संबंधों को मजबूत करना और उसे सैन्य उपकरण बेचना है। बांग्लादेश ने अमेरिकी हथियारों में तो रुचि दिखाई, लेकिन उन्हें इंडो-पैसिफिक ढांचे के तहत खरीदने से इन्कार किया, क्योंकि उसे डर था कि इससे उसका प्राथमिक सैन्य आपूर्तिकर्ता चीन नाराज हो जाएगा। हसीना को सत्ता से बेदखल करने में एक और विदेशी शक्ति के शामिल होने का संदेह है और वह है चीन। बहुआयामी संबंधों के बावजूद भारत और बांग्लादेश की बढ़ती निकटता से चीन के असंतोष का बढ़ना छिपा नहीं है। कई रिपोर्ट तो यह खुलासा भी करती हैं कि चीन ने हसीना को सलाह दी थी कि वह अपनी चीन यात्रा से पहले भारत की यात्रा न करें। हालांकि हसीना ने चीन की सलाह को नजरअंदाज कर दिया था। चीन मुख्य रूप से अपनी बेल्ट ऐंड रोड पहल (बीआरआई) परियोजनाओं और देशों के साथ व्यक्तिगत सैन्य सहयोग के माध्यम से दक्षिण एशिया में अपना प्रभाव बढ़ाने का इच्छुक रहा है। गौरतलब है कि चीन और भारत दोनों ने बांग्लादेश में तीस्ता नदी पर जल प्रबंधन परियोजना में रुचि जताई है।

एआई के ऊर्जा खपत आंकड़े चौंकाते हैं... भारी मात्रा में बिजली-पानी का उपयोग, पर्यावरण पर ध्यान जरूरी

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) हमारी जिंदगी का अहम हिस्सा बन रही है। वर्चुअल असिस्टेंट से लेकर स्मार्ट होम तक हर जगह एआई है। चाहे चैट-जीपीटी जैसे एआई जनित प्लेटफॉर्म पर जटिल प्रश्नों के हल जानना हो या गूगल व एलेक्सा जैसे वर्चुअल असिस्टेंट्स पर अपनी आवाज से कोई काम कराना हो। क्याअचंभित करने वाली तकनीक के कुछ और पहलू हो सकते हैं जो पर्यावरण व मानव सभ्यता के लिए हानिकारक साबित हो सकते हैं

गूगल की वार्षिक पर्यावरण रिपोर्ट में चौंकाने वाले आंकड़े सामने आए हैं। वर्ष 2022 के मुकाबले 2023 में गूगल के डाटा केंद्रों पर कार्बन उत्सर्जन फुटप्रिंट में तेरह प्रतिशत की वृद्धि हुईहै। यह वृद्धि उसके डाटा केंद्रों और आपूर्ति श्रृंखलाओं में बिजली की खपत बढ़ने से हुई। वर्ष2023 में उसके डाटा केंद्रों ने पहले की तुलना में 17 फीसदीअधिक बिजली का उपयोग किया। एआई टूल्स के इस्तेमाल सेयह वृद्धि और बढ़ेगी। एआई का उपयोग कई क्षेत्रों में परिवर्तनकारी बदलाव लाने के लिए किया जा रहा है, जिनमें जलवायु परिवर्तन से जुड़े समाधान भी शामिल हैं। लेकिन बढ़ती एआई तकनीक ने एक भारी कार्बन उत्सर्जन फुटप्रिंट जैसी समस्या उत्पन्न कर दी है। अध्ययनों से पता चलता है कि एआई चैटबॉट चैट-जीपीटी पर पूछी गई एक साधारण जानकारी, गूगल खोज की तुलना में 10 से 33 गुना अधिक ऊर्जा का उपयोग करती है। वहीं, इमेज आधारित प्लेटफॉर्म पर इससे कहीं अधिक ऊर्जा खर्च होती है। दरअसल, एआई मॉडल सामान्य गूगल खोज की तुलना में अधिक डाटा को प्रोसेस और फिल्टर करते हैं। अधिक काम का मतलब है कि कंप्यूटर को डाटा प्रोसेसिंग,

स्टोरिंग और रिट्रीविंग के समय अधिक ऊर्जा की आवश्यकता होगी। अधिक काम करने से उत्पन्न गर्मी को कम करने के लिए डाटा केंद्रों पर अधिक शक्तिशाली एयर कंडीशनिंग और अन्य ठंडे उपाय किए जाते हैं। यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया रिवरसाइड के एक अध्ययन के मुताबिक साल 2022 में, गूगल ने अपने डाटा केंद्रों को ठंडा रखने के लिए लगभग 20 अरब लीटर ताजे पानी का उपयोग किया। बीते साल माइक्रोसॉफ्ट की जल खपत में पिछले वर्ष की तुलना में 34 प्रतिशत की वृद्धि हुई। वर्तमान में डाटा केंद्रों की खपत वैश्विक बिजली की खपत का 1 से 1.3 प्रतिशत है, मगर जैसे-जैसे एआई टूल्स का उपयोग बढ़ेगा, यह खपत भी बढ़ती जाएगी। इंटरनेशनल एनर्जी एजेंसी के अनुसार, यह आंकड़ा तीन प्रतिशत तक जा सकता है। इसके विपरीत, बढ़ते इलेक्ट्रिक वाहनों के बावजूद, ई-वाहनों की वैश्विक बिजली खपत केवल 0.5 फीसदी है। वहीं, कई देशों में डाटा केंद्रों की ऊर्जा खपत उनकी राष्ट्रीय मांग की दहाई हिस्सेदारी तक पहुंच गई है। आयरलैंड जैसे देश जहां टैक्स में छूट और प्रोत्साहन के कारण डाटा केंद्रों की संख्या असामान्य रूप से अधिक है। आयरलैंड सेंट्रल स्टैटिक्स ऑफिस रिपोर्ट 2023 के अनुसार, यह हिस्सेदारी 18 प्रतिशत पहुंच गई।

भारत में भी एआई और डाटा केंद्रों का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है। हालांकि यहां इनके ऊर्जा और जल खपत के आंकड़े अभी सीमित हैं, लेकिन एआई के बढ़ते उपयोग के साथ, यह स्थिति बदल सकती है। भारत की सिलिकॉन वैली कहा जाने वाला बंगलूरू पानी की भारी कमी से जूझ रहा है। बंगलूरू में डाटा केंद्रों की संख्या सोलह है। नीति आयोग की एक रिपोर्ट के मुताबिक, बंगलूरू के अलावा दिल्ली, चेन्नई और मुंबई जैसे महानगरों में भी डाटा केंद्रों में पानी की खपत बढ़ गई है। भारत में स्थापित डाटा केंद्रों की क्षमता दो हजार मेगावाट से 2029 तक 4.77 हजार मेगावाट तक पहुंचने की उम्मीद है। जिससे पहले से पानी की कमी से जूझ रहे भारत के सिलिकॉन वैली की डिजिटल महत्वाकांक्षाओं पर संकट खड़ा हो जाएगा। इस समस्या के समाधान के लिए गूगल और माइक्रोसॉफ्ट जैसी कंपनियां डाटा केंद्रों के शीतलन के लिए अपशिष्ट जल को पुनर्नवीनीकृत कर इस्तेमाल कर रही हैं। वहीं भारतीय डाटा केंद्र अब भी ताजे पानी की आपूर्ति पर निर्भर हैं।

डाटा केंद्रों पर पानी की खपत को लेकर अभी पर्याप्त आंकड़े सामने नहीं आए हैं। डेन मोइन्स रिवर पर एसोसिएटेड प्रेस की एक रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका के आयोवा शहर में ओपन एआई के जीपीटी-4 मॉडल को सेवा देने वाला एक डाटा केंद्र उस जिले की पानी की आपूर्ति का करीब 6 प्रतिशत उपयोग करता है। बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप के एक अध्ययन के अनुसार, एआई के कॉरपोरेट और औद्योगिक कामों के उपयोग से 2030 तक वैश्विक कार्बन उत्सर्जन में पांच से दस प्रतिशत की कमी हो सकती है, वहीं 1300 अरब से 2600 अरब डॉलर के राजस्व की भी बचत हो सकती है। इन पहलुओं को ध्यान में रखते हुए, हमें एआई के विकास के साथ-साथ इसके पर्यावरणीय और सामाजिक प्रभावों पर भी ध्यान देना चाहिए, जिससे हम एक संतुलित दृष्टिकोण अपनाते हुए एआई के फायदों का लाभ उठा सकते हैं और इसके पर्यावरणीय असर को कम कर सकते हैं।

अतिक्रमणकारियों ने कोठी की सुंदरता पर लगाया ग्रहण

बस स्टैंड कोठी से लेकर तहसील कार्यालय कोठी तक अतिक्रमणकारियों ने कर रखा है कब्जा

उमेश कुशवाहा । सिटी चीफ
सतना, जिले की कोठी में अतिक्रमणकारियों के आगे नतमस्तक होने से हर बार अतिक्रमण हटाने वाली मुहिम को ग्रहण लग जाता है, जिसका फायदा अतिक्रमणकारी उठा रहे हैं, जिसके परिणाम स्वरुप नगर में हर तरफ अतिक्रमण की बाढ़ सी आ गई है, खुलेआम बस स्टैंड कोठी से लेकर बाजार में अतिक्रमणकारियों ने अपने पैर पसार रखे हैं, कोठी नगर प्रशासन अतिक्रमणकारियों के आगे कुछ इस तरह से नतमस्तक है जिसकी कोई सीमा नहीं है, अतिक्रमण हटाने को लेकर नगर प्रशासन कोठी को मानो सांप सूंघ जाता है, जबकि राजस्व अमला सहित अन्य अधिकारियों का प्रतिदिन यहां से आवागमन होता है, बस स्टैंड से लेकर बाजार में भारी तादाद में अवैध रूप से स्थाई एवं अस्थाई अतिक्रमण आज तक गुजरने के बाद भी प्रशासन अतिक्रमण नहीं हटा पाया, मुख्य मार्ग में अतिक्रमण होने के कारण आये दिन लोगों को जाम का सामना करना पड़ता है एवं भारी समस्या भी होती है, आखिरकार प्रशासन इन अतिक्रमणकारियों के आगे पंगू हो जाता है, आखिरकार कब तक प्रशासन अतिक्रमणकारियों के आगे घुटने टेकेगा एवं अतिक्रमणकारियों के इसी तरह हौसले बुलंद रहेंगे।

कोठी में मुख्य इन जगहों पर है अतिक्रमण

1)तहसील कार्यालय कोठी से बाजार मुख्य मार्ग में अतिक्रमण

कोठी में कभी एक समय था जब कभी बाजार की सड़क काफी चौड़ी हुआ करती थी यहां से भारी भरकम वहां भी गुजरते थे, लोगों का कहना है कि बाजार मुख्य मार्ग की सड़क 20 फीट की हुआ करती थी लेकिन धीरे-धीरे समय बीतता गया और अतिक्रमण ने पूरी सड़क में अपने पैर पसार लिए आज के दौर में 20 फीट की सड़क 8 फिट में सिमट कर रह गई है, आलम यह है कि लोगों को बाज़ार मार्ग से होकर गुजरने में घंटो का समय लग जाता है, यहां तक की अब लोगों को बाज़ार मार्ग से गुजरने में सोचना पड़ता है एवं वह इस मार्ग से आवागमन में भी परहेज कर रहे हैं।

2) बस स्टैंड कोठी से पोस्ट ऑफिस तक टू लेन सड़क में अतिक्रमण

नगर परिषद कोठी ने बस स्टैंड कोठी से लेकर बाजार तक में टू लेन सड़क का निर्माण तो कराया लेकिन टू लेन सड़क को चालू करवाने में मानो नगर प्रशासन के पसीने छूट गए, सड़क में इस कदर अतिक्रमणकारियों ने अपना कब्जा जमाया हुआ है जैसे उनके पुरखों की विरासत हो, पूरी सड़क में ठेले वालों ने टू लेन सड़क का स्वरूप बदलकर उसे चौपाटी में बदल दिया, टू लेन सड़क का चालू ना होना मानो नगर परिषद कोठी की असमर्थता को व्यक्त करता है।

3) कोठी के प्राचीन तालाब में भी अतिक्रमण

नगर परिषद कोठी के जिम्मेदार तालाब के सौंदर्यीकरण के लिए कागजी कोरम को पूरा कर सिर्फ और सिर्फ वाह वाही लूटने में लगे हुए हैं, विगत वर्ष कोठी के कुछ समाजसेवियों ने तालाब में स्वयं का पैसा खर्च कर उसका सौंदर्यीकरण करवाया, लेकिन नगर परिषद कोठी के नकारा जिम्मेदार उनका सहयोग करने के बजाय स्वयं ही तालाब के सौंदर्यीकरण का श्रेय लेते दिखे, विगत कुछ समय पहले नगर परिषद कोठी के जिम्मेदारों ने फोटो सेशन करवा कर काफी वाह वाह लूटी लेकिन कोठी तालाब के अतिक्रमण को हटाने में नगर परिषद कोठी के जिम्मेदार नकारा साबित हुये।

छोटी-छोटी कार्यवाही से वाह वाही लूट रहे नगर परिषद कोठी के जिम्मेदार

नगर परिषद कोठी की जिम्मेदार छोटी कारवाई कर वाह वाही लूटने में लगे हुए हैं, अतिक्रमण के प्रति बड़ी कार्रवाई करने के बजाय दिखावटी ढोल पीट कर वह वाही लूटने में कतई परहेज नहीं कर रहे हैं, वहीं लोगों का कहना है कि नगर परिषद कोठी की जिम्मेदारों का दोहरा चरित्र देखने को मिलता है, यहां पर बड़े अतिक्रमणकारियों के ऊपर अतिक्रमण हटाने में मानो नगर परिषद कोठी के जिम्मेदार हिम्मत ही नहीं जुटा पा रहे हैं, सिर्फ और सिर्फ दिखावे भरी कार्रवाई कर वही लूटने में लगे हुए हैं।

पर्यावरण की सुरक्षा के लिए हमें अधिक से अधिक पौधे लगाने चाहिए साथ ही उनका संरक्षण भी करना चाहिए :- स्वामी शांतनु महाराज

देवबंद में कुटी रोड स्थित आश्रम पर पौधरोपण करते हुए पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया

गौरव सिंघल । सिटी चीफ सहारनपुर । देवबंद, देवबंद में कुटी रोड स्थित आश्रम पर पौधरोपण करते हुए पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। इस दौरान होमगार्ड इंस्पेक्टर आरपी सिंह ने पेड़ पौधों की महत्ता पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर स्वामी शांतनु महाराज ने कहा कि पर्यावरण की सुरक्षा के लिए हमें अधिक से अधिक पौधे लगाने चाहिए साथ ही उनका संरक्षण भी करना चाहिए। उन्होंने लोगों से अपने जीवन में कम से कम एक पौधा अवश्य लगाने का आह्वान किया। इस अवसर पर सीपी सिंह, रविंद्र चौधरी, मनोज कुमार, विकास देशवाल, महेश, प्रवेश कुमार, शुभम चौहान आदि मौजूद रहे।

डीएम मनीष बंसल ने किया सरसावा स्थित

सिविल एन्कलेव टर्मिनल परिसर का निरीक्षण

डीएम ने कार्य की प्रगति में सुधार लाने और शेष कार्यों को 15 दिन में पूर्ण करने के दिए निर्देश

गौरव सिंघल । सिटी चीफ सहारनपुर, जिलाधिकारी सहारनपुर मनीष बंसल द्वारा सरसावा हवाई अड्डे के निर्माण कार्यों की प्रगति का स्थलीय निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान अवगत कराया गया कि सिविल एन्कलेव टर्मिनल भवन का निर्माण कार्य पूर्ण है। परन्तु फिनिशिग, सफाई कार्य, टर्मिनल के संचालन हेतु मशीनरी की स्थापना व संचालन का कार्य शेष है। कार्यदायी संस्था को लेबर की संख्या बढ़ाकर कार्यों को 15 दिन में पूर्ण करने के निर्देश दिए। कार्य स्थल पर परियोजना की अद्यतन प्रगति की स्थिति ज्ञात करने पर संबंधित द्वारा सरसावा हवाई अड्?डे परियोजना की वर्तमान प्रगति की जानकारी दी गई। प्रगति सन्तोषजनक न होने पर जिलाधिकारी मनीष बंसल द्वारा कार्यदायी संस्था को निर्देशित किया गया कि कार्य की प्रगति में सुधार लाये अन्यथा कार्य समाप्ति की निर्धारित तिथि के अनुरूप कार्य न करने पर एजेन्सी के विरूद्ध कार्यवाही की जायेगी। उन्होंने नेशनल हाईवे से सिविल एन्कलेव टर्मिनल, सरसावा को जोडने वाली नवनिर्मित्त सड़क का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान नवनिर्मित्त सड़क के मध्य से कहीं-कहीं से उखड़ी हुई है जिसे उपस्थित सहायक अभियन्ता को ठीक कराये जाने एवं सड़क का लेविल इस प्रकार से कराये जाने के निर्देश निर्गत किये गये कि जिससे सड़क पर जल भराव ना हो। सड़क एवं अप्रोच रोड़ की सफाई की आवश्यकता और सड़क /अप्रोच रोड पर बजरी व अन्य निर्माण सामग्री को हटवाये जाने तथा मार्गों की सफाई कार्य कराने के निर्देश दिये। अप्रोच मार्ग के मध्य व सड़क के किनारे वृक्षारोपण कराये जाने एवं दोनों सड़क के मध्य हरित पट्टी विकसित करने के निर्देश दिए। मार्ग के किनारे पेड़ लगाये जाने हेतु पेड़ों की प्रजाति का चिन्हांकन करने हेतु अपर नगर आयुक्त एवं जिला उद्यान अधिकारी को निर्देशित किया। नेशनल हाईवे से टर्मिनल को जोड़ने वाले मार्ग पर प्रकाश व्यवस्था के संबंध में उपस्थित सहायक अभियन्ता द्वारा अवगत कराया गया कि इस मार्ग पर प्रकाश की व्यवस्था सोलर लाईटों से की जानी प्रस्तावित है। निरीक्षण के समय सुमित राजेश महाजन, मुख्य विकास अधिकारी, जयारानू एस0 डीजीएम, सिद्धार्थ सहायक अभियन्ता, लोक निर्माण विभाग, ओम प्रकाश, अधिशासी अभियन्ता, लोक निर्माण विभाग, यांत्रिक खण्ड, सहारनपुर, विक्की माटू प्रोजेक्ट मैनेजर, कार्यदायी संस्था मैसर्स ईपैक पॉलीमर्स प्रा0लि0 उपस्थित रहे।

सरकारी दुकानों पर एक्सपायर डेट की जहरीली शराब परोसी जा रही है-कांग्रेसी नेता पटेल

हम लोगो की जान माल के साथ खिलवाड़ होने नहीं देंगे, करेंगे आंदोलन

रिज़वान शेख। सिटी चीफ
अलीराजपुर, जिला कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष महेश पटेल ने बुधवार को आयोजित पत्रकार वार्ता मे बताया कि जिले में अवैध शराब का कारोबार, भंडारण ओर एक्सपायर डेट की जहरीली शराब सरकारी दुकानों मे धड़ल्ले से परोसी जा रही है । शराब ठेकेदार लोगो की जान माल के साथ खिलवाड़ कर रहा है, लेकिन कांग्रेस इसको बर्दाश्त नहीं करेंगी ओर विरोधस्वरूप सड़कों पर उतरकर करेंगी । श्री पटेल ने बताया कि हमको ज्ञात हुआ है कि शराब ठेकेदार द्वारा अवैध शराब का भंडारण जिलेभर में किया हुआ है, बिना रॉयल्टी के अवैध शराब सीमावर्ती राज्यों में परिवहन की जा रही है, उन्होंने बताया कि जिले में जितनी भी सरकारी दुकान शराब की है वहां पर एक्सपायर डेट की जहरीली शराब परोसी जा रही है, साथ ही अमानक स्तर की शराब बेचीं जा रही है । जैसे ही हमको सूचना मिली मे खुद शराब की सरकारी दुकान पर गया ओर वहां देखा कि दुकानदार द्वारा

एक्सपायर डेट की जहरीली बियर ग्राहकों को दी जा रही थी । वही से हमने पुलिस ओर आबकारी विभाग को इसकी सूचना देकर अवगत कराया । श्री पटेल ने जिला प्रशासन एवं आबकारी विभाग के अधिकारियों से माँग की है कि जिले में जितनी भी शराब की सरकारी दुकानें हैं, उनके गोडाउन की जांच ओर दुकानों से बिकने वाली शराब की एक्सपायर डेट की जाँच की जाए ।

9 अगस्त विश्व आदिवासी दिवस पर चाँदपुर मे मालिक टंटया मामा भील की मूर्ति होगी स्थापित कार्यक्रम को लेकर तैयारीया जोरो पर

सामाजिक कार्यकर्ता भदूभाई पचाया शंकर बामनिया रोशन पचाया ने सर्व आदिवासी समाज से कार्यक्रम को सफल बनाने की की अपील

रिज़वान शेख । सिटी चीफ
आलीराजपुर, 9अगस्त विश्व आदिवासी दिवस पर आलीराजपुर जिले के ग्राम चाँदपुर मे सर्व आदिवासी समाज की ओर से मालिक टंटया मामा भील की मूर्ति स्थापित की जाएगी जिसको लेकर तैयारीया जोरो पर है कार्यक्रम को लेकर आयोजन समिति के संरक्षक भदूभाई पचाया ने आदिवासी समाज से अपील की है की विश्व आदिवासी दिवस हमारे गांव या ज़िलें का नहीं पुरे विश्व स्तर का पर्व हैं इसलिए हमें भी इस पर्व की गरिमा को कायम रखना हैं और पर्व को हर्ष उल्लास के साथ शांति से मानना हैं। इसके लिए हमें शासन एवं प्रशांसन की बात मानना हैं और किसी भी प्रकार का हथियार फिर चाहे वो तीर कमान हो या फलिया हो या बन्दूक हो किसी भी प्रकार का हथियार नहीं लाना हैं। इसके साथ ही पर्व के दौरान महिलाओं के सम्मान का पूरा धयान रखना हैं। जैसे हमारी बहन बेटियां पर्व में शामिल होती हैं वैसे ही दूसरी बहन एवं बेटियों का सम्मान रखना हैं वही कार्यक्रम के वही आयोजन समिति के शंकर बामनिया ने आदिवासी समाज से अपील करते हुए कहा की 9अगस्त विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर चाँदपुर मे सभी माता बहने ओर भाई आदिवासी वेशभूषा मे सम्मलित होकर इस ऐतिहासिक कार्यक्रम को सफल बनाये ये कार्यक्रम हमारा आदिवासी समाज का एक ऐतिहासिक कार्यक्रम है । वही आयोजन समिति के कोषाध्यक्ष रोशन पचाया ने कहा के चाँदपुर का ये ऐतिहासिक कार्यक्रम आदिवासी समाज के कल्चर ओर वेशभूषा पर आधारित है जहा पर सर्व प्रथम मालिक टंटया मामा भील की मूर्ति स्थापित की जाएगी जिसके बाद अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये जाएंगे जिसमे ढोल मांदल फिफरी ड्रेस कोड जैसे अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे जिसके बाद विजेता टीम को पूरूषकृत भी किया जाएगा रोशन पचाया ने सभी आदिवासी समाज के भाई बहनो से अपील करते हुए कहा के कार्यक्रम मे आदिवासी वेषभूषा मे आकर इस ऐतिहासिक कार्यक्रम को सफल बनाए।

भाकियू वर्मा के राष्ट्रीय अध्यक्ष भगत सिंह वर्मा के नेतृत्व में किसानों के एक प्रतिनिधिमंडल ने विभिन्न समस्याओं को लेकर मंडलायुक्त सहारनपुर से मुलाकात कर उन्हें ज्ञापन सौंपा

किसानों की समस्याओं के हल होने तक संघर्ष जारी रहेगा :- भगत सिंह वर्मा

गौरव सिंघल । सिटी चीफ
सहारनपुर। भारतीय किसान यूनियन वर्मा व पश्चिम प्रदेश मुक्ति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष भगत सिंह वर्मा के नेतृत्व में किसानों का एक प्रतिनिधिमंडल अन्नदाता किसानों की समस्याओं को लेकर मंडलायुक्त डा. हृषिकेश भास्कर यशोद से मिला और उन्हें ज्ञापन सौंपा। राष्ट्रीय अध्यक्ष भगत सिंह वर्मा ने मंडलायुक्त से वार्ता करते हुए कहा कि अभी भी पिछले वर्ष का सहारनपुर मंडल की चीनी मिलों पर लगभग 700 करोड रुपए गन्ना भुगतान और पिछले वर्षों में देरी से किए गए गन्ना भुगतान पर लगा ब्याज 1600 करोड रुपए बकाया है। जिसे गन्ना किसानों को तुरंत दिलाया जाए, शुगर कंट्रोल ऑर्डर 1966 के अनुसार जो चीनी मिल 14 दिन के अंदर गन्ना किसानों को भुगतान नहीं करती हैं उन्हें 15त्न वार्षिक दर से गन्ना किसानों को ब्याज अदा करना चाहिए और बकाया गन्ना भुगतान और बकाया ब्याज वाली चीनी मिलों को गन्ना किसानों से डू लाई किराया काटने का भी अधिकार एक्ट के अनुसार चीनी मिलों को नहीं है। भगत सिंह वर्मा ने कहा कि भाजपा की योगी सरकार प्रदेश के गन्ना किसानों को गन्ने का लागत मूल्य 525 रुपए कुंतल भी भुगतान नहीं करा रही है। जो प्रदेश की गन्ना किसानों के साथ सरासर अन्याय है। जबकि प्रदेश को प्रतिवर्ष गन्ने से अल्कोहल और अल्कोहल से देसी और अंग्रेजी शराब और उससे प्रदेश सरकार को 50 हजार करोड रुपए एक्साइज ड्यूटी के रूप में राजस्व प्राप्त हो रहा है इसमें से ही सरकार को 100 रूपए कुंतल सीधा प्रदेश के गन्ना किसानों के बैंक खातों में डालना चाहिए। इसके अलावा अल्कोहल से हजारों उत्पाद तैयार होते हैं जिससे जीएसटी के रूप में प्रदेश व केंद्र सरकार को प्रतिवर्ष हजारों करोड रुपए टैक्स प्राप्त होता है इस सबके बावजूद भी भाजपा की योगी सरकार प्रदेश के गन्ना किसानों को लागत मूल्य से भी बहुत कम मात्र 370 रुपए कुंतल गन्ने का भुगतान भी चीनी मिलों से समय से नहीं करा पा रही है। छुट्टा व आवारा पशु किसानों की फसल को नष्ट कर रहे हैं जिन्हें तत्काल गौशाला भिजवाया जाए। देवबंद की त्रिवेणी चीनी मिल से पिछले वर्षों में देरी से किए गए गन्ना भुगतान पर लगा ब्याज 73 करोड रुपए तत्काल गन्ना किसानों को दिलाया जाए और त्रिवेणी शुगर मिल द्वारा गंगनोली में किसानों से खरीदी गई लगभग 300 बीघा जमीन गांगनौली के किसानों को वापस कराई जाए। त्रिवेणी शुगर मिल द्वारा एक नई शुगर फैक्ट्री गांगुली नागल में लगाई जाने हेतु यह जमीन खरीदी गई थी इस पर नहीं त्रिवेणी शुगर मिल खेती कर रही है और नहीं कोई फैक्ट्री लगाई है जो कानून के नियमों के विरुद्ध है अन्यथा सरकार इसे सरकार के खाते में अधिग्रहण करें। सहारनपुर मंडल में हाईवे और रेलवे कॉरिडोर के साथ-साथ किसने की जमीनों में खेती करने के लिए रास्ता दिलाया जाए। भगत सिंह वर्मा ने कहा कि उत्तर प्रदेश और देश में सहारनपुर मंडल के हाईवे में सबसे अधिक टोल प्लाजा लगे हुए हैं और यहां पर सबसे अधिक टोल टैक्स वसूला जा रहा है और 60 किलोमीटर के दायरे में कई टोल टैक्स लगे हुए हैं जबकि 60 किलोमीटर के दायरे में केवल एक टोल टैक्स होना चाहिए इसलिए सभी टोल टैक्स को समाप्त कराया जाए और आम जनता को टोल टैक्स से राहत दिलाई जाए। अन्यथा भारतीय किसान यूनियन वर्मा व पश्चिम प्रदेश मुक्ति मोर्चा बड़ा आंदोलन करने को मजबूर होगा। प्रतिनिधि मंडल में भारतीय किसान यूनियन वर्मा के राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ अशोक मलिक, प्रदेश उपाध्यक्ष पंडित नीरज कपिल, प्रदेश महामंत्री आसिम मलिक, प्रदेश संगठन मंत्री धर्मवीर चौधरी, प्रदेश सचिव संदीप एडवोकेट, महानगर अध्यक्ष मोहम्मद जहीर तुर्की, मंडल उपाध्यक्ष कृपाल सिंह चौधरी, जिला संगठन मंत्री सुरेंद्र सिंह एडवोकेट, नगर मंत्री तमरेज आलम, नगर उपाध्यक्ष मंसूर अली, संगठन मंत्री असलम मलिक, हाजी सुलेमान, हाजी साजिद, हाजी बुद्धू हसन, जिला उपाध्यक्ष अरविंद चौधरी ने भाग लिया।

आज आदर्श एवं एनएफसी तथा अहीर युनिर्वसल व नीमच सिटी के बीच मुकाबला

नीमच। नगरपालिका परिषद्, नीमच द्वारा नपाध्यक्ष श्रीमती स्वाति गौरव चौपड़ा के मार्गदर्शन में जिला फुटबाल संघ के सहयोग से दशहरा मैदान, नीमच पर 02 अगस्त से प्रारंभ हुई स्वतंत्रता दिवस फुटबाल स्पर्धा के अंतर्गत 8 अगस्त गुरूवार को दो मैच खेले जावेंगे। प्रथम मैच दोपहर 1 बजे आदर्श एवं एनएफसी फुटबाल क्लब के बीच खेला जावेंगा। इसी प्रकार दूसरा मैच दोपहर 3 बजे अहीर युनिर्वसल व नीमच सिटी फुटबाल क्लब के बीच खेला जावेगा। उपरोक्त जानकारी देते हुए नपा के कार्यालय अधीक्षक श्री कन्हैयालाल शर्मा तथा डीएफए सचिव श्री प्रमोद शर्मा ने बताया कि 8 अगस्त को दोपहर 1 बजे होने वाले प्रथम मैच में अतिथि के रूप में भाजपा नगर मंडल पदाधिकारी श्री सतीश ग्वाला, श्रीमती मीनू लालवानी, श्री गजेन्द्र (कोकू शर्मा), श्री भीम भगत ग्वाला, श्री कपिल शर्मा (गोरू), श्री रोबिन सेठिया, श्री दुर्गेश शर्मा, श्रीमती गायत्री रमेश राठौर, श्रीमती कोमल चंचल बाहेती, श्री मनीष बैस, श्री प्रमोद बोरीवाल, श्री मनोज माहेश्वरी, श्री राजेश कसेरा, श्री अनिल माली, श्री लोकेश कौशल व श्री जीशान कुरैशी उपस्थित रहेंगे।

अवैध क्लीनिक संचालन मामले में प्रशासन की बड़ी कार्रवाई

अवैध ढंग से प्रसव कराने और ऑपरेशन करने पर प्रशासन ने किया सुयश फर्टिलिटी सेंटर को सील

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ
शाजापुर। जिला अस्पताल की विवादित महिला डॉ स्मितासिंह का अवैध कारोबार एक बार फिर उजागर हुआ और अवैध ढंग से क्लीनिक संचालित कर प्रसव कराने एवं ऑपरेशन किए जाने के मामले में प्रशासन द्वारा बड़ी कार्रवाई करते हुए सुयश क्लीनिक को सील कर दिया गया। शाजापुर जिला अस्पताल में पदस्थ डॉ स्मितासिंह शहर के हाट मैदान क्षेत्र में सवोत्तम सुयश फर्टिलिटी सेंटर के नाम अवैध ढंग से क्लीनिक का संचालन कर रही थी, जिसकी जिला प्रशासन को लगातार शिकायतें मिल रही थीं। शिकायतों के आधार पर डिप्टी कलेक्टर राजकुमार हलदर, तहसीलदार मधु नायक और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी बुधवार को सुयश क्लीनिक पहुंचे। डिप्टी कलेक्टर ने बताया कि सुयश क्लीनिक पर मरीजों को परामर्श देने की अनुमति थी, लेकिन बावजूद इसके संचालक के द्वारा क्लीनिक पर ही अवैध ढंग से प्रसव कराने के साथ ऑपरेशन किए जा रहे थे। कई गर्भवती महिलाओं के गर्भाशय की सफाई का काम भी डॉक्टर के द्वारा किया जा रहा था। चेकिंग के दौरान एक महिला मिली जो गर्भाशय की सफाई हेतु क्लीनिक पर आई थी उसके भी बयान लिए गए। केंद्र पर कई दवाएं मिली जिनके लिए लायसेंस लेना होता है, किंतु उक्त दवाईयां भी बिना लायसेंस के ही मरीजों को दी जा रही थी। अवैध ढंग से केंद्र के संचालन पर उसे सील कर दिया गया है।

डॉक्टर को बुलाया पर नही आई- अवैध ढंग से संचालित सुयश क्लीनिक पर प्रशासन ने छापामार कार्रवाई की। इस दौरान कई महिला मरीज परामर्श और ऑपरेशन के लिए क्लीनिक पर मौजूद मिलीं। कार्रवाई करने पहुंचे अधिकारियों ने क्लीनिक संचालक डॉ स्मितासिंह को फोन कर क्लीनिक पर आने को कहा, लेकिन डॉक्टर क्लीनिक पर नही आई, इसके बाद अधिकारियों ने पंचनामा बनाकर क्लीनिक को सील करने की कार्रवाई की। इस कार्रवाई में क्लीनिक के कर्मचारियों ने पंचनामा पर हस्ताक्षर करने से इनकार करते हुए बहस की। हालांकि बाद में कर्मचारियों ने पंचनामा पर हस्ताक्षर किए।

पूर्व में भी हो चुकी है कार्रवाई- ज्ञातव्य है कि पूर्व में सुयश क्लीनिक नई सडक़ पर संचालित होता था और उक्त क्लीनिक पर अवैध ढंग से सोनोग्राफी किए जाने का कारनामा डॉ स्मितासिंह के द्वारा अंजाम दिया जाता था, जिसको लेकर प्रशासन ने उक्त क्लीनिक को सील करने की कार्रवाई की थी। इसके बाद डॉ स्मितासिंह ने सुयश फर्टिलिटी सेंटर के नाम से हाट मैदान में अवैध क्लीनिक की बुनियाद रखी और नियम विरूद्ध ढंग से महिलाओं का प्रसव कराने तथा ऑपरेशन करने का काम शुरू कर दिया। बेखौफ होकर संचालित किए जा रहे क्लीनिक को प्रशासन ने फिलहाल सील कर दिया है।

भाजपा के पूर्व सांसद राघव लखनपाल शर्मा देवबंद में आंदोलनरत वकीलों के बीच पहुंचे और उनको पूर्ण समर्थन की घोषणा की

गौरव सिंघल । सिटी चीफ
सहारनपुर । देवबंद, अधिवक्ता और वादकारी पक्ष के बीच हुई मारपीट की घटना मामले में जहां अधिवक्ताओं द्वारा कांग्रेस सांसद इमरान मसूद पर आरोपियों का बचाने का आरोप लगाया गया है वही भाजपा के पूर्व सांसद राघव लखनपाल शर्मा आज देवबंद में आंदोलनरत वकीलों के बीच पहुंचे और उनको पूर्ण समर्थन की घोषणा की है। राघव लखनपाल शर्मा ने बार रूम में अधिवक्ताओं से मुलाकात करते हुए मामले की पूरी जानकारी ली और उन्हें दोषियों पर कार्रवाई कराने का भरोसा भी दिलाया। पूर्व सांसद राघव लखनपाल शर्मा ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि वह इस मामले में जनपद के आला अधिकारियों से वार्ता कर कड़ी कार्रवाई करने की बात रखेंगे और इस संबंध में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भी जानकारी देने का काम करेंगे। इस दौरान बार एसोसिएशन के अध्यक्ष नरेश चौहान, पूर्व अध्यक्ष समय सिंह पुंडीर व सुरेश चंद त्यागी ने कहा कि आरोपितों का हल्की धाराओं में चालान किया गया है। पुलिस से अब उन्हें न्याय की आस नहीं है। इस मौके पर बार एसोसिएशन के सचिव मोहम्मद मुरसलीन, सह सचिव प्रशासन अमित सिंघल, देश दीपक त्यागी, यशपाल त्यागी, सियानंद त्यागी, दुष्यंत त्यागी, रविंद्र पुंडीर, सुरेश त्यागी, ठा. सुरेंद्र पाल, मोहम्मद इरशाद, ठा. वीरेंद्र सिंह, ठा. अनुज कुमार, राजवीर शर्मा, सचिन त्यागी, अब्दुल गनी, ब्रह्म सिंह पुंडीर आदि मौजूद रहे। बता दे कि वादकारी पक्ष द्वारा बीते शनिवार को सिविल कोर्ट परिसर देवबंद में अधिवक्ता इरशाद अली और उनके मुंशी रविंद्र के साथ-साथ कुछ अन्य अधिवक्ताओं के साथ अभद्रता करते हुए मारपीट कर दी गई थी। घटना से नाराज अधिवक्ताओं द्वारा अभियुक्तों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर जाम लगा दिया गया था। लेकिन पुलिस-प्रशासन के कार्रवाई के आश्वासन के बाद अधिवक्ताओं द्वारा जाम खोल दिया गया था। दो अभियुक्तों को मौके पर पुलिस ने दबोचकर जेल भेज दिया था। लेकिन पुलिस ने अभियुक्तों का हल्की धाराओं में चालान किया है। जिससे अधिवक्ताओं में जबरदस्त नाराजगी व्याप्त है। लगातार पांच दिनों से हडताल पर चल रहे अधिवक्ता अभियुक्तों पर कडी कार्रवाई की मांग कर रहे है।

ज्ञानप्रकाश विद्यालय व कनिष्ठ महाविद्यालय, पिंजर येते महसूल पंधरवाडा कार्यक्रम संपन्न झाला

बार्शीटाकळी कर्तव्यदक्ष तहसीलदार वझिरे साहेब यांनी घेतली दखल

डॉ संजय चव्हाण । सिटी चीफ
अकोला, अकोला जिल्हा बार्शीटाकळी तालुका पिंजर येथे शासन निर्णय क्र.संकीर्ण-2024/प्र.क/136 ई,दिनांक-30/07/2024. अन?वये महसूल विभागामार्फत 1 ते 15 आगस्ट या कालावधीत जिल्हयात %महसूल पंधरवडा% साजरा करण्यात येत आहे सदर कार्यक्रमाचा आज 7 वा दिवस मा.जिल्हाधिकारी (भा.प्र.से) श्री.अजित कुंभार सर यांचे तसेच मा.उपविभागीय अधिकारी, मुर्तिजापूर श्री.संदीपकुमार अपार सर यांचे मार्गदर्शनात मा.तहसिलदार, बार्शिटाकळी श्री.राजेशजी वझिरे सर यांचे निर्देशन्वे दि. 7 ऑगस्ट 2024 युवा संवाद कार्यक्रम खालील प्रमाणे राबविण ?यात आला आहे.

प्रास्ताविक - मा.अक्षय नागे सर नायब तहसिलदार महसुल तहसील कार्यालय बार्शीटाकळी यांनी युवा संवाद कार्यक्रमाचा उद्देश तसेच स्पर्धा परीक्षा चा अभ्यास करताना युवकांना येणाऱ्या अडचणी जिद्द, मेहनत, सातत्य व वेळेचे नियोजन कसे करावे याबाबत मार्गदर्शन केले.

वक्ते - जीवरक्षक श्री दीपक भाऊ सदाफळे यांनी शालेय जीवनातील अडचणी तसेच दुर्लक्षित राहिलेल्या विद्यार्थ्यांबाबत मार्गदर्शन करून युवकांना व्यसनापासुन दूर कसे राहायचे याबाबत मार्गदर्शन केले. संघपाल वावुरवाघ यांनी पाणी फाउंडेशन मार्फत केलेल्या कामाची माहिती दिली. महेश घनगाव यांनी शालेय जीवनात कसा घडलो व आपल्यातील त्रुट्या दूर करण्याकरता त्यांना शिक्षकांनी कसे मार्गदर्शन केले याबाबत माहिती दिली. पिंजर पोलीस स्टेशनचे ठाणेदार श्री दराडे साहेब यांनी युवकांना ऑनलाइन गेमिंग मधील फसवणुकीबाबत सजग राहण्याबाबत मार्गदर्शन केले तसेच मोबाईलच्या व्यसनापासून दुर राहण्याबाबत युवकांना आवाहन केले.

प्रमुख वक्ते - मा. हेमंत पद्मने सर यांनी सदर कार्यक्रमांमध्ये युवकांसोबत संवाद साधून आपल्या खास शैलीमध्ये प्रबोधन केले.अभ्यास करताना येणाऱ्या अडचणी,निराशा, एकाग्रता,योग्य पुस्तकाची निवड याबाबत मार्गदर्शन केले तसेच आत्मविश्वासाने अभ्यासाला कसे सामोरे जायचे याबाबत मौलिक मार्गदर्शन केले.

दाखले वितरण - मा.अध्यक्ष महोदय तसेच प्रमुख वक्ते व प्रमुख पाहुणे यांच्या हस्ते मंडळातील तलाठी यांच्यामार्फत वितरित होणारे दाखले व नकला यांचे विद्यार्थ्यांना व गरजूंना वितरण करण्यात आले तसेच आवश्यक दाखल्यांचे वितरण करण्यात आले

कार्यक्रमाचे अध्यक्ष - मा.श्री.राजेशजी वझिरे सर तहसीलदार बार्शीटाकळी यांनी अध्यक्षीय संबोधनातुन युवकांसोबत संवाद साधला शालेय जीवनातून शिक्षण पूर्ण करून महाविद्यालयीन शिक्षणाची सुरुवात करत असताना विविध प्रकारच्या दाखल्यांची आवश्यकता असते अज्ञानामुळे किंवा माहिती नसल्यामुळे सदर दाखले काढताना बऱ्याच अडचणींचा सामना विद्यार्थ्यांना करावा लागतो याबाबत स्वत:ला आलेल्या अडचणींचा दाखला देऊन मार्गदर्शन केले. या अगोदरील काळात ग्रामीण भागात शिक्षणाच्या खुप अडचणी होत्या परंतु आज रोजी इंटरनेट क्रांतीमुळे व मोबाईल क्रांतीमुळे सर्वांजवळच सर्व साहित्या,सोयी सुविधा व अभ्यासक्रमाचे साहित्य उपलब्ध आहेत त्यांचा युवकांनी पुरेपूर उपयोग घेऊन यशस्वी व्हावे याबाबत मोलाचे मार्गदर्शन केले तसेच शासकीय योजनांची माहिती देऊन सदर योजनांचा युवकांनी लाभ घ्यावा याबाबत आवाहन केले.

वृक्षारोपण कार्यक्रम - युवा संवाद या कार्यक्रमाचे औचित्य साधुन आजच्या कार्यक्रमाचे अध्यक्ष महोदय श्री राजेशजी वझिरे सर तहसिलदार बार्शीटाकळी यांच्या शुभहस्ते वृक्षारोपण करण्यात आले तसेच मंडळ अधिकारी श्रवण भराडी व पिंजर महसुल मंडळातील त्यांचे सहकारी तलाठी श्री धामणीकर, श्री गायगोळ, श्री हळदे, श्री चव्हाण, श्री चौथमल , प्राध्यापक श्री.निलेश वानखेडे सर व सतीश चव्हाण, सुरज राऊत यांनी पण वृक्षारोपण केले.

सुत्रसंचलन - सदर युवा संवाद कार्यक्रमाचे भारदार सुत्रसंचलन ज्ञानप्रकाश महाविद्यालयाचे आदर्श प्राध्यापक श्री अमोलजी इंगोले सर यांनी आपल्या खास बहारदार शैलीत सादर केला. सदर युवा संवाद कार्यक्रमाकरिता मंचकावर अध्यक्ष स्थानी मा. वझिरे सर तहसिलदार बार्शीटाकळी,श्री. दराडे सर ठाणेदार पोलीस स्टेशन पिंजर, श्री.अक्षयजी नागे सर नायब तहसिलदार महसूल तहसिल कार्यालय बार्शीटाकळी, कार्यक्रमाचे प्रमुख वक्ते मा.श्री हेमंतजी पद्मने सर,श्री.श्रवण भराडी मंडळ अधिकारी पिंजर,संत गाडगेबाबा आपत्कालीन शोध व बचाव पथकाचे प्रमुख जीवरक्षक श्री.दिपकभाऊ सदाफळे, प्रतिष्ठित नागरिक श्री.पांडुरंगजी ठक साहेब,बार्शीटाकळी तालुका आत्मा समितीचे अध्यक्ष श्री.प्रमोदजी रोकडे, समाजसेवक एड. श्री.महेशजी घनघाव ,पाणी फाउंडेशन चे तालुका समन्वयक संघपाल वावुरवाघ, प्राध्यापक श्री निलेशजी वानखेडे सर,मीडिया प्रतिनिधी श्री.प्रदीप गावंडे श्री. दीपक जाधव उपस्थित होते.

समारोपिय आभार प्रदर्शन - ज्ञानप्रकाश महाविद्यालयाचे प्राध्यापक श्री काळपांडे सर यांनी प्रमुख वक्ते, प्रमुख पाहुणे सर्व युवा यांचे आभार व्यक्त करून कार्यक्रमाचा समारोप केला.

मिडिया प्रतिनिधी - श्री संजय चव्हाण न्यूज वन इंडिया टीव्ही रिपोर्टर अकोला = सिटी चीप जिल्हा रिपोर्टर अकोला

सदर कार्यक्रम यशस्वी करण्याकरता सर्व तलाठी श्री. राजेश धामणीकर,श्री.मनीष हळदे,श्री.राहुल चव्हाण श्री. सुनिल गायगोळ,श्री. सतीश चौथमल, प्राध्यापक श्री.निलेशजी वानखेडे सर, कोतवाल श्री सतीश चव्हाण श्री सुरज राऊत,श्री.श्रवण भराडी मंडळ अधिकारी पिंजर,सुरेश सोनवणे, ज्ञानप्रकाश विद्यालय व कनिष्ठ महाविद्यालयाचे प्राध्यापक श्री. अमोलजी इंगोले सर,श्री.श्रीकृष्ण गुल्हाने सर,श्री.मार्कंडेय सर श्री. काळपांडे सर आपल्या तहसिलचे सारथी ,चालक श्री.गणेशभाऊ माहोकार सर्व सेतु संचालक श्री. दिनेश अलोणे,श्री.अंकित जाधव श्री.शेख जुबेर यांचे मोलाचे सहकार्य लाभले.

विभिन्न ग्रामों का भ्रमण कर कलेक्टर ने राजस्व महा अभियान सहित विभागीय गतिविधियों का किया निरीक्षण

भगवान दास बैरागी | सिटी चीफ

शाजापुर, मो. बड़ोदिया तहसील क्षेत्र के ग्राम खोरियाएमा, डंगीचा, सिरसोदिया, मो. बड़ोदिया, उमरिया दया, नागझीरी एवं बिजाना का कलेक्टर ऋजु बाफना ने बुधवार को भ्रमण कर राजस्व महाअभियान 2.0 के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में की जा रही गतिविधियों सहित अन्य विभागों के विभिन्न कार्यों का निरीक्षण किया। सभी ग्रामों में कलेक्टर ने राजस्व महाअभियान के अंतर्गत लंबित नामांतरण, बटवारा, अभिलेख दुरूस्ती के साथ ही नए राजस्व प्रकरणों को दर्ज कराने, नक्शा तरमीम, समग्र एवं आधार से खसरे की लिंकिंग तथा किसानों की रजिस्ट्री के आधार पर नामांतरण की कार्रवाईयों को देखा। ग्राम खोरियाएमा एवं नागझीरी में राजस्व महाअभियान के अंतर्गत कार्यों की गति कम होने पर पटवारी का 5-5 दिन का वेतन रोकने के निर्देश कलेक्टर ने दिए। साथ ही ग्राम बिजाना में पटवारी संजय गोठी द्वारा राजस्व महाअभियान के दौरान की जाने वाली गतिविधियों का रिकार्ड सुव्यवस्थित रखने पर कलेक्टर ने पटवारी के कार्य की प्रशंसा करते हुए तहसीलदार को निर्देश दिए कि इसी तरह का रिकार्ड अन्य पटवारियों से भी बनवाएं। सभी ग्रामों में कलेक्टर ने खसरे को आधार एवं समग्र से जोडऩे के लिए किए जा रहे ई केवायसी के कार्य में गति देने के लिए ग्राम के युवाओं को भी जोडऩे के निर्देश दिए। साथ ही कलेक्टर ने सीएससी के वीएलई सहित रोजगार सहायकों को ई-केवायसी करने के निर्देश दिए। इन ग्रामों में कलेक्टर ने ग्रामीणों से अन्य समस्याओं की भी जानकारी ली। ग्राम उमरिया दया में एक ग्रामीण ने खेत में

जाने का रास्ता नहीं होने की जानकारी दी। कलेक्टर ने तहसीलदार को रास्ता खुलवाने के निर्देश दिए। ग्राम बिजाना में ग्रामीणों ने नाली बंद होने से सडक़ पर पानी बहने की शिकायत की। कलेक्टर ने पंचायत एवं तहसीलदार को निर्देश दिए कि वे स्वयं नाली खुलवाएं। इस मौके पर कलेक्टर ने स्वामित्व योजना एवं नक्शा तरमीम के महत्व के बारे में ग्रामीणों को बताया।

शिक्षिका की एक वेतन वृद्धि रोकने के लिए नोटिस देने के निर्देश

कलेक्टर ने ग्राम खोरियाएमा में एफएलएन की गतिविधियों के निरीक्षण के दौरान प्राथमिक शिक्षिका सीताबाई पाटीदार द्वारा गुणवत्तापूर्ण अध्यापन नहीं कराने तथा बच्चों में शिक्षा की गुणवत्ता की कमी पाने पर शिक्षिका की एक वेतन वृद्धि रोकने के लिए नोटिस देने के निर्देश दिए। साथ ही शिक्षिका को ग्राम खोरियाएमा से हटाने के लिए भी कहा। वहीं ग्राम नागझीरी के प्राथमिक विद्यालय में एफएलएन कार्य का निरीक्षण कलेक्टर ने किया, यहां बच्चों का प्रदर्शन अच्छा पाया। कलेक्टर ने शिक्षकों को प्रशिक्षण देने के निर्देश दिए। साथ ही सीईओ जनपद पंचायत को शाला भवन का इंजीनियर से निरीक्षण कराने के निर्देश दिये।

छात्रावासों का निरीक्षण

कलेक्टर मो बड़ोदिया में शासकीय उत्कृष्ट बालक एवं बालिका छात्रावासों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होने छात्रावास अधीक्षकों को बच्चों को मीनू अनुसार पौष्टिक एवं ताजा भोजन प्रदान करने के निर्देश दिए। उन्होने छात्रावासों को प्रदाय सामग्री का भी निरीक्षण किया। कलेक्टर ने जिला संयोजक मीणा मण्डलोई को निर्देश दिए कि अधिकारियों से कराए जा रहे छात्रावासों के निरीक्षण में सामग्री की गुणवत्ता भी चेक कराएं। साथ ही कलेक्टर ने छात्रावासों को प्रदाय किए गए टेबल्स को वापस कराने या मरम्मत करवाने के लिए भी कहा।

निर्माणाधीन उप स्वास्थ्य केन्द्र का निरीक्षण

ग्राम डंगीचा में निर्माणाधीन उप स्वास्थ्य केन्द्र का निरीक्षण कर कलेक्टर ने उपयंत्री को निर्देश दिए कि गुणवत्ता के साथ निर्माण कार्य हो। उप स्वास्थ्य केन्द्र की रंगाई-पुताई में स्टेंडर्ड कंपनियों के कलर उपयोग में लेने के निर्देश कलेक्टर ने दिए। इस अवसर पर पीएचई विजयसिंह चौहान, सीएमएचओ डॉ अजय साल्विया, डीपीसी राजेन्द्र शिप्रे, तहसीलदार सुनील पाटिल, नायब तहसीलदार मुकेश दुबे, केएल चौहान भी उपस्थित थे।

ई-दक्ष केंद्र में दिया जा रहा सम्पदा 2.0 का प्रशिक्षण

अब स्वत: हो जाएगा जमीनों का नामांतरण

बालाघाट

कलेक्टर डॉ. गिरीश कुमार मिश्रा के मार्गदर्शन में जिले के पंजीयन विभाग के पंजीयकों, कार्यालय के स्टाफ तथा समस्त सेवा प्रदाताओं को संपदा 2.0 का प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। जिला पंजीयक श्री राजेंद्र मरकाम द्वारा बुधवार को प्रशिक्षण के दौरान परिचयात्मक रूप से सम्पदा 2.0 के विषय में बताया गया की दस्तावेज के पंजीयन में सुगमता एवं नागरिक सहजता को बढ़ावा दिया गया है। महानिरीक्षक एवं पंजीयन मुद्रांक मप्र के निर्देशानुसार जल्द से जल्द सम्पूर्ण मप्र में पंजीयन विभाग का नवीन संस्करण जल्द ही लागु होगा। प्रशिक्षण केंद्र में प्रशिक्षण, प्रबंधक जिला ई-गवर्नेस सोसायटी श्री विवेक मेश्राम, प्रशिक्षक श्री उमाशंकर पटले, श्री सौरभ नामदेव तथा आशीष शरणागत की मदद से संचालित किये जा रहा है।

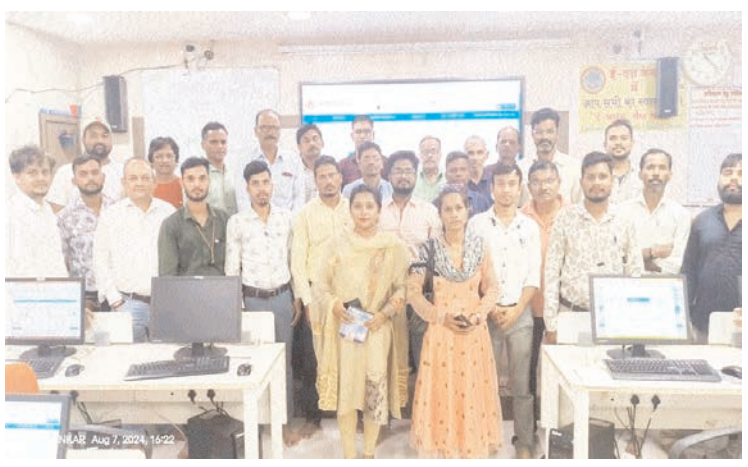

संपदा 2.0 से अब स्वत: हो जाएगा जमीनों का नामांतरण प्रदेश में भूमि के खसरे के नामांतरण के लिए संपदा एप्लीकेशन का उपयोग शुरू हो गया है। 15 अगस्त से संपदा साफ्टवेयर-2 लागू होगा। जिससे उप पंजीयन कार्यालय में उपस्थित होने की अनिवार्यता नहीं रहेगी। वहीं बताया गया कि पायलट परीक्षण सफल रहा है और सात जिलों के 100 प्रतिशत दस्तावेज डिजिटल हो चुके हैं। साथ ही अन्य दस्तावेजों को भी डिजिटाइज किया जा रहा है। इसके अनुसार खसरे के अंतरण के दस्तावेज पंजीकृत होने पर संपदा एप्लीकेशन से राजस्व विभाग के रेवेन्यू केस मैनेजमेंट सिस्टम के उपयोग से साइबर तहसीलों में स्वत: नामांतरण होना शुरू हो गया है। इसके अनुसार इलेक्ट्रानिक रूप से पंजीबद्ध दस्तावेज व्हाट्सएप एवं ईमेल के माध्यम से तत्काल हितग्राही को मिल जाएंगे। संपदा 2.0 में पंजीयन के लिए आधार और ई-केवाईसी की जरूरत होगी। संबंधित लोगों के बॉयोलॉजिकल आइडी से दस्तावेज तैयार होंगे। संबंधित व्यक्ति को सत्यापित करना होगा। सभी पक्षकारों का अलग-अलग माध्यम से ऑनलाइन वैरिफिकेशन होगा। संपदा 2.0 में जो सुविधा दी गई है उसके तहत नागरिकों को अपने सामयिक बंधक जैसे दस्तावेजों की सूचना देने के लिए जिला पंजीयन कार्यालय के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे तथा उन्हें स्टाम्प आदि प्राप्त करने के लिए सर्विस प्रोवाइडर या जिला पंजीयन कार्यालय नहीं आना पड़ेगा, वे अपने स्टाम्प खुद तैयार कर लेंगे।

कलेक्टर द्वारा नपा. कुम्भराज ऑफिस का किया औचक निरीक्षण लोगों की समस्याओं को सुनकर निराकरण के दिये निर्देश

गुना

कुम्भराज में आयोजित दिव्यांगजनों के शिविर का अवलोकन कर उपस्थित लोगों की समस्याओं का किया निराकरण.. कलेक्टर डॉ. सतेन्द्र सिंह द्वारा आज नपा. कुम्भराज ऑफिस का किया औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने उपस्थित लोगों की समस्याओं को सुनकर उचित निराकरण के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिये। इस दौरान देहरी के आवेदक को 20 तारीख के पहले कब्ज़ा दिलाने के निर्देश दिए। मोईया के श्री अनिल बैरागी को पीएम किसान की किश्त नहीं मिलने की शिकायत की गई, जिसके संबंध में एएसएलआर को निराकरण के निर्देश दिए। नप. कुम्भराज के वार्ड क्रमांक 5 में नामांतरण लंबित की शिकायत मौके पर आरआई को निराकरण के निर्देश दिए। आज निरीक्षण के दौरान परिसर में उपस्थित जर्ज़र भवन को तोड़ने निर्देशित किया। नपा परिसर में उपस्थित जर्ज़र भवन जिसमें सीसीबी लगती है को तोड़ने तथा मरम्मत कराने के निर्देश दिये। कुम्भराज में आयोजित दिव्यांगजनों के शिविर का अवलोकन कर उपस्थित लोगों की समस्याओ का निराकरण किया गया आज इस अवसर पर अनुविभागीय अधिकारी चांचौड़ा श्री रवि मालवीय, संयुक्त कलेक्टर श्री महेश बमन्हा, तहसीलदार कुम्भराज श्रीमती अमिता तोमर, नायब तहसीलदार श्री एमएल पंथी उपस्थित रहे।

सामुदायिक भवन में सीएसआर एवं एडीआईपी योजना के तहत

उमरिया 30 दिव्यांग जनों को मोटराईज्ड ट्राईसिकिल एवं 3 दिव्यांगों को सुगम केन वितरित नर की सेवा ही नारायण की सेवा है - पूर्व सांसद दिव्यांगों को शासन की विभिन्न योजनाओं से किया जा रहा लाभान्वित - कलेक्टर उमरिया नर की सेवा ही नारायण की सेवा है । दिव्यांगो की सेवा करना सबसे बडा पुण्य का काम है । भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम कानपुर भारत सरकार एवं साउथ ईस्टर्न कोल्ड फील्डस के सहयोग से सी एस आर योजना अंतर्गत जिले में 30 दिव्यांग जनों को मोटराईज्ड ट्राईसिकलि एवं 3 दिव्यांग जनो को सुगम केन का वितरण किया गया । उक्त आशय के विचार शहडोल संसदीय क्षेत्र के पूर्व सांसद ज्ञान सिंह ने सामुदायिक भवन में आयोजित मोटराईज्ड ट्रासिकिल वितरण एवं सुगम केन वितरण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए व्यक्त किए । आपने कहा कि दिव्यांग जनो को उनकी आवश्यकता के अनुरूप उपकरण उपलब्ध कराए जा रहे है , जो उनके जीवन में खुशहाल बनाने में मददगार साबित होगे । जो दिव्यांग जन चलने फिरने मे असमर्थ है, वे बिना किसी के सहारे मोटराईज्ड ट्राईसिकिल के माध्यम से आवागमन कर सकेगे । आपने दिव्यांग जनों से अपील की है कि मोटराईज्ड ट्राईसिकिल के साथ जो हेलमेट उपलब्ध कराया गया है , उसका उपयोग भी करें , ताकि जीवन सुरक्षित रहे । आपने दिव्यांग जनो के लिए दीर्घायु की कामना की। कार्यक्रम में पूर्व सांसद सहित अन्य अतिथियो ने भईया लाल बैगा पिता तपसू बैगा ग्राम मझगवां, ओमकार नापित पिता झल्लू नापित ग्राम कछरवार , विनोद सेन पिता विशंभर सेन निवासी ग्राम कौडिया 13 सहित अन्य हितग्राहियों को मोटराईज्ड ट्राईसिकिल एवं दो हितग्राहियो को सुगम केन का वितरण किया गया । कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन ने कहा कि दिव्यांग जन में समस्त क्षमताएं विद्यमान है । दिव्यांग जन किसी से कम नही है। दिव्यांग जनो को शासन व्दारा विभिन्न प्रकार की पेंशन उपलब्ध कराई जा रही है, ताकि वे बिना किसी परेशानी के अपना जीवन यापन कर सके। आपने कहा कि दिव्यांग जन अपने अंदर और अधिक क्षमताओं का विस्तार करें एवं अपना नाम रोशन करें । कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीईओ जिला पंचायत अभय सिंह ओहरिया ने कहा कि जिले में सात हजार से अधिक दिव्यांग जनों को विभिन्न पेंशन योजनाओ, शासकीय योजनाओं से से लाभांवित किया जा रहा है । कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जनरल मैनेजर एसईसीएल जान सल्डाना ने कहा कि एसईसीएल के सीएसआर फण्ड से भी दिव्यांग जनों को आज मोटराईज्ड ट्राईसिकिल देने का कार्य किया गया है , इसके साथ ही एसईसीएल व्दारा शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक क्षेत्रों में सीएसआर फण्ड से हितग्राहियों को लाभांवित किया जा रहा है। कार्यक्रम को शंभू लाल खट्टर, धनुषधारी सिंह ने भी संबोधित करते हुए दिव्यांग जनो को शासकीय योजनाओं की जानकारी देते हुए उन्हें मोटराईज्ड ट्राईसिकिल के लिए शुभकामनाएं प्रेषित की । कार्यक्रम के पूर्व में उप संचालक सामाजिक न्याय विभाग राजीव गुप्ता व्दारा कार्यक्रम की रूप रेखा प्रस्तुत की गई। इस अवसर पर प्रवीण कुमार नोडल आफिसर सी एस आर, रावेन्द्र गोतमारे चीफ एरिया मैनेजर, एलिम्को से प्रतीक खंडेलवाल, अभचय सिंह, जिला पुर्नवास केंद्र उमरिया के अधिकारी कर्मचारी सहित दिव्यांग जन उपस्थित रहे । कार्यक्रम का संचालन कंचन तिवारी समग्र विस्तार अधिकारी , डा आशा यादव सीनियर फिजियोथैरिपी ने किया ।

प्रदेश भर में 10 अगस्त को 25 हजार स्थानों पर बहनों के सम्मान का होगा उत्सव

प्रदेश भर में 11 से 15 अगस्त तक चलेगा हर घर तिरंगा अभियान - मुख्यमंत्री

सीधी

मुख्यमंत्री ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग से हर घर तिरंगा अभियान के संबंध में दिए निर्देश

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से लाड़ली बहना उत्सव तथा हर घर तिरंगा अभियान के संबंध में अधिकारियों को निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में 25 हजार स्थानों में 10 अगस्त को बहनों के सम्मान का उत्सव आयोजित किया जाएगा। इस दिन लाड़ली बहना योजना के हितग्राही बहनों को 1250 रुपए तथा रक्षाबंधन पर्व के लिए 250 रुपए की अतिरिक्त राशि जारी की जाएगी। इस कार्यक्रम का जिला, विकासखण्ड, ग्राम पंचायत तथा सभी नगरीय निकायों के वार्डों में सजीव प्रसारण सुनिश्चित करें। इन स्थानों में आयोजित कार्यक्रमों में मंत्रीगण, सांसद, विधायक, पंचायत प्रतिनिधि, सरपंच, पार्षद आदि शामिल होंगे। सामारोह में अधिक से अधिक बहनों की भागीदारी सुनिश्चित करें। पूरे प्रदेश में रक्षाबंधन पर्व तक बहनों के सम्मान के कार्यक्रम लगातार आयोजित होंगे। इन कार्यक्रमों का व्यापक प्रचार-प्रसार कराएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि पूरे प्रदेश में 11 अगस्त से 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस तक हर घर तिरंगा अभियान चलाया जाएगा। अभियान के लिए प्रशासनिक अधिकारी तिरंगे की व्यवस्था करेंगे। इसमें जनप्रतिनिधि भी पूरा सहयोग करें। राष्ट्रध्वज हम

सबके लिए सम्मान और प्रेरणा का प्रतीक है। प्रत्येक शहर, कस्बे तथा गांव में तिरंगा रैली, तिरंगा यात्रा तथा अन्य आयोजन करके हर घर तिरंगा अभियान के लिए सकारात्मक वातावरण बनाएं। हर नागरिक को अपने घर में तिरंगा फहराने के लिए प्रेरित करें। स्वसहायता समूहों तथा पोस्ट आफिस में पर्याप्त मात्रा में तिरंगे उपलब्ध हैं। अभियान के दौरान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी तथा शहीदों के परिजनों को सम्मानित करें। स्थानीय कलाकारों के माध्यम से तिरंगे की शान और देशभक्ति के गीतों के कार्यक्रम आयोजित कराएं। ध्वज संहिता का पालन करते हुए हर घर में तिरंगा फहराया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि हर घर तिरंगा अभियान के लिए विभिन्न संचार माध्यमों में पर्याप्त सामग्री उपलब्ध कराएं। सोशल मीडिया, प्रिंट मीडिया तथा इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में इसका व्यापक प्रचार-प्रसार करें। सभी शिक्षण संस्थानों, व्यापारिक संगठनों, खेल संगठनों, सामाजिक संगठनों तथा अन्य संगठनों को भी इस अभियान में शामिल करें। यह अभियान राष्ट्र के गौरव का अभियान है। हमने अनगिनत शहीदों के बलिदान और कठिन संघर्ष के बाद आजादी प्राप्त की है। नई पीढ़ी को भी शहीदों के बलिदान से अवगत कराने का माध्यम हर घर तिरंगा अभियान को बनाएं। वीडियो कान्फ्रेंसिंग ने कहा कि एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत वृक्षारोपण का अभियान जारी रखें। यह वर्ष रानी दुर्गावती के 500वां जन्मवर्ष तथा रानी अहिल्याबाई का 300वां जन्मवर्ष है। इन्हें भी लाड़ली बहना उत्सव तथा हर घर तिरंगा अभियान में याद करें। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को बाढ़ तथा अतिवृष्टि से सुरक्षा के उपाय, जर्जर भवनों को नोटिस देकर गिराने के निर्देश दिए। पूरे प्रदेश में आगामी 26 अगस्त को पूरे उत्साह के साथ जन्माष्टमी का पर्व मनाएं। सभी कृष्ण मंदिरों तथा अन्य मंदिरों के परिसरों में विशेष साफ-सफाई कराकर आकर्षक सजावट कराएं। जिस तरह मथुरा में जन्माष्टमी मनाई जाती है उसी तरह पूरे प्रदेश में जन्माष्टमी मनाएं। वीडियो कान्फ्रेंसिंग में मंत्रीगण, विधायक तथा सांसद एवं मुख्य सचिव सहित वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी शामिल हुए। कलेक्ट्रेट एनआईसी केन्द्र से विधायक सीधी श्रीमती रीती पाठक, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती मंजू सिंह, कलेक्टर श्री स्वरोचिष सोमवंशी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री राहुल धोटे, अपर कलेक्टर श्री राजेश शाही, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री अरविंद श्रीवास्तव, उपखण्ड अधिकारी गोपद बनास श्री नीलेश शर्मा एवं अन्य अधिकारी शामिल हुए।

जलजनित बीमारियों से पीड़ित मरीजों के सर्वेक्षण हेतु किया गया डोर-टू-डोर सर्वे

अनूपपुर

मौसमी तथा जलजनित बीमारियों से ग्रस्त मरीजों के सर्वेक्षण के लिए जिला प्रशासन अनूपपुर के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग द्वारा राजस्व एवं पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अमले के सहयोग से डोर-टू-डोर सर्वे का कार्य जिलेभर में किया जा रहा है। जिले के चारो विकासखण्डों के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में सीएचओ, आशा, एएनएम, आशा सुपरवाईजर, बीईई, स्वास्थ्य सर्वेक्षक, एमपीडब्ल्यू द्वारा डोर-टू-डोर सर्वे का कार्य किया जा रहा है। सर्वे के दौरान मिलने वाले मरीजों को अस्पताल में भर्ती कर उपचार किए जाने तथा कुओं के शुद्धिकरण के लिए ब्लीचिंग पाउडर घोल डालने का कार्य भी दल के द्वारा किए जाने का कार्य अभियान के रूप में लिया गया है। दल के पास आवश्यक दवाईयां तथा ओआरएस पाउडर उपलब्ध कराया

गया है। सर्वे दल को डायरिया पीड़ित मरीजों की जानकारी तथा उनके ड्रिंकिंग वाटर के सोर्स के संबंध में जानकारी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। अनुविभागीय दण्डाधिकारियों को डोर-टू-डोर सर्वे की मॉनीटरिंग के निर्देश दिए गए हैं। स्वास्थ्य अधिकारियों द्वारा जिले के सामुदायिक एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में भर्ती मरीजों के उपचार के संबंध में जानकारी लेने के लिए भ्रमण कर मरीजों से रू-ब-रू होकर स्वास्थ्य की जानकारी ली गई तथा अमले को आवश्यक स्वास्थ्य सुविधाओं, उपचार आदि के संबंध में निर्देशित किया गया।

हितग्राहियों को समय से बिना परेशानी के मिले योजनाओं का लाभ : कलेक्टर

13 से 15 अगस्त तक चलाया जाएगा हर घर तिरंगा अभियान

जर्जर भवनों का आंकलन कर डिस्मेंटल करने के निर्देश

कलेक्टर छतरपुर श्री पार्थ जैसवाल ने बुधवार को जिला पंचायत सभाकक्ष में अधिकारियों से परिचय प्राप्त कर विभिन्न बिन्दुओं पर दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ श्रीमती तपस्या परिहार, एडीएम श्री मिलिंद नागदेवे, सहायक कलेक्टर सुश्री काजोल सिंह, संयुक्त एवं डिप्टी कलेक्टर, एसडीएम, सीएमओ, जनपद सीईओ सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे। कलेक्टर श्री जैसवाल ने लाड़ली बहनों के खातों में रक्षाबंधन पर तोहफे के रूप में 10 अगस्त को श्योपुर से होने वाले राज्य स्तरीय कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा सिंगल क्लिक के माध्यम से 250 रूपए की राशि का अंतरण किया जाएगा। कार्यक्रम का लाइव प्रसारण जिला एवं पंचायत स्तर पर दिखाए जाने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने 13 से 15 अगस्त हर घर तिरंगा अभियान को सफल बनाने के लिए जिले के जनपद एवं निकाय स्तर पर पर्याप्त तिरंगे झण्डों की उपलब्धता सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। साथ ही आमलोगों को अपनों घरों में तिरंगा झण्डा लगाने के लिए जागरूक करने के लिए निर्देशित किया। साथ ही 11 से 15 अगस्त तक गांव एवं वार्डों में विभिन्न गतिविधियों आयोजित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा तिरंगे झण्डे को लगाते

समय झण्डा संहिता के नियमों का विशेष रूप से ध्यान रखा जाए। साथ ही तिरंगा रैली निकालने, ह्यूमन चैन बनाने, रंगोली, पेंटिंग एवं निबंध प्रतियोगिताएं आयोजित करने के लिए निर्देशित किया। कलेक्टर ने सभी निकायों पर झण्डे के साथ सेल्फी प्वाइंट लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी शासकीय कार्यालयों, भवनों आदि में हर घर तिरंगा अभियान में झण्डा लगाया जाए। कलेक्टर ने जिला मुख्यालय पर आयोजित होने वाले 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियों की समीक्षा कर अधिकारियों सौंपे गए दायित्वों के निर्वहन के निर्देश दिए।

बेसमेंट में संचालित कोचिंग, शॉपिंग कॉम्प्लेक्स पर कार्यवाही के निर्देश

कलेक्टर श्री जैसवाल ने सड़क विभाग के संबंधित अधिकारियों को सड़कों की मरम्मत के निर्देश दिए। उन्होंने एसडीएम को निर्देश दिए कि पुल, रिपटों आदि पर पानी होने से वहां से लोग नहीं निकले, इसके पर्याप्त इंतजाम किए जाएं। कलेक्टर ने आंगनबाड़ी केन्द्र, स्कूल सहित अन्य भवन जो जीर्णशीर्ण हो उनका आंकलन कर मरम्मत कराने एवं जर्जर होने पर डिस्मेंटल की कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

मन्दसौर लाड़ली बहनों का आभार सह उपहार कार्यक्रम कुशाभाऊ ठाकरे ऑडिटोरियम मंदसौर में उपमुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा ने राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा लगाई गई इंस्टॉल का अवलोकन किया। टेक होम राशन स्टॉल पर उपमुख्यमंत्री ने राशन से निर्मित खाद्य सामग्री को स्वयं खाया तथा गुणवत्ता की जांच कर प्रशंसा की।

भिण्ड मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आज सुबह वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से रक्षाबंधन एवं हर घर तिरंगा अभियान के आयोजन के संबंध में जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों के साथ चर्चा की। साथ ही जन्माष्टमी पर्व के कार्यक्रम एवं तैयारियों के बारे में आवश्यक निर्देश दिए। इस दौरान कलेक्ट्रेट भिण्ड के एनआईसी कक्ष में नगर पालिका भिण्ड अध्यक्ष श्रीमती वर्षा बाल्मीकि, जनपद भिण्ड अध्यक्ष श्रीमती सरोज बघेल, नगर परिषद गोरमी अध्यक्ष श्री पुष्पा महेश्वरी जाटव, कलेक्टर श्री संजीव श्रीवास्तव, एसपी डॉ असित यादव, सीईओ जिला पंचायत श्री जगदीश कुमार गोमे, एडीएम श्री लक्ष्मीकांत पाण्डेय सहित संबंधित विभागों के अधिकारीगण भी उपस्थित रहे।

'फाइटर' ओलिंपिक से बाहर: खून निकलवाया, बाल कटवाए, वजन कम करने के लिए विनेश फोगाट ने क्या कुछ नहीं किया, लेकिन...

'100 ग्राम' ने छीना सपना

नई दिल्ली। 6 अगस्त की रात विनेश फोगाट के गोल्ड मेडल का सपना लिए हर भारतीय सोया होगा, लेकिन 7 अगस्त की सुबह यह सपना चकनाचूर हो गया। पेरिस ओलंपिक गेम्स में महिलाओं के 50 किग्रा वर्ग में भारत की स्टार विनेश फोगाट ने फाइनल तक का सफर एक दिन में तय कर लिया। विनेश ने 6 अगस्त को खेले गए अपने तीनों मैच जीते और फाइनल में पहुंचकर भारत के लिए कम-से-कम सिल्वर मेडल पक्का कर लिया था, लेकिन इसके अगले दिन उन्हें डिस्क्वॉलिफाई कर दिया गया। विनेश का वजन 100 ग्राम ज्यादा था, जिसके चलते उन्हें अयोग्य करार दिया गया और अब उन्हें कोई मेडल नहीं मिलेगा। दरअसल ओलंपिक में कुश्ती के नियम के मुताबिक दो दिन के अंदर मुकाबले होते हैं और दोनों दिन ही हिस्सा लेने वाले पहलवानों का वजन किया जाता है। विनेश का वजन कम करने के लिए उनके कोच और सपोर्ट स्टाफ ने सबकुछ कर लिया, लेकिन वह 100 ग्राम से ओवरवेट आईं और डिस्क्वॉलिफाई हो गईं। नियम के मुताबिक कोच और सपोर्ट स्टाफ ने मिलकर विनेश का वजन कम करने के लिए हर संभव कोशिश की। विनेश के बाल काटे गए, उनका खून तक निकाला गया, जिससे उनका वजन कुछ कम हो जाए, लेकिन इन सब के बावजूद 100 ग्राम एक्स्ट्रा वजन ने उनका मेडल जीतने का सपना तोड़ दिया। विनेश को फिलहाल हॉस्पिटल में एडमिट किया गया है। रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (डब्ल्यूएफआई) के अध्यक्ष संजय सिंह ने बताया कि विनेश को डिहाइड्रेशन के चलते हॉस्पिटल में एडमिट किया गया है।

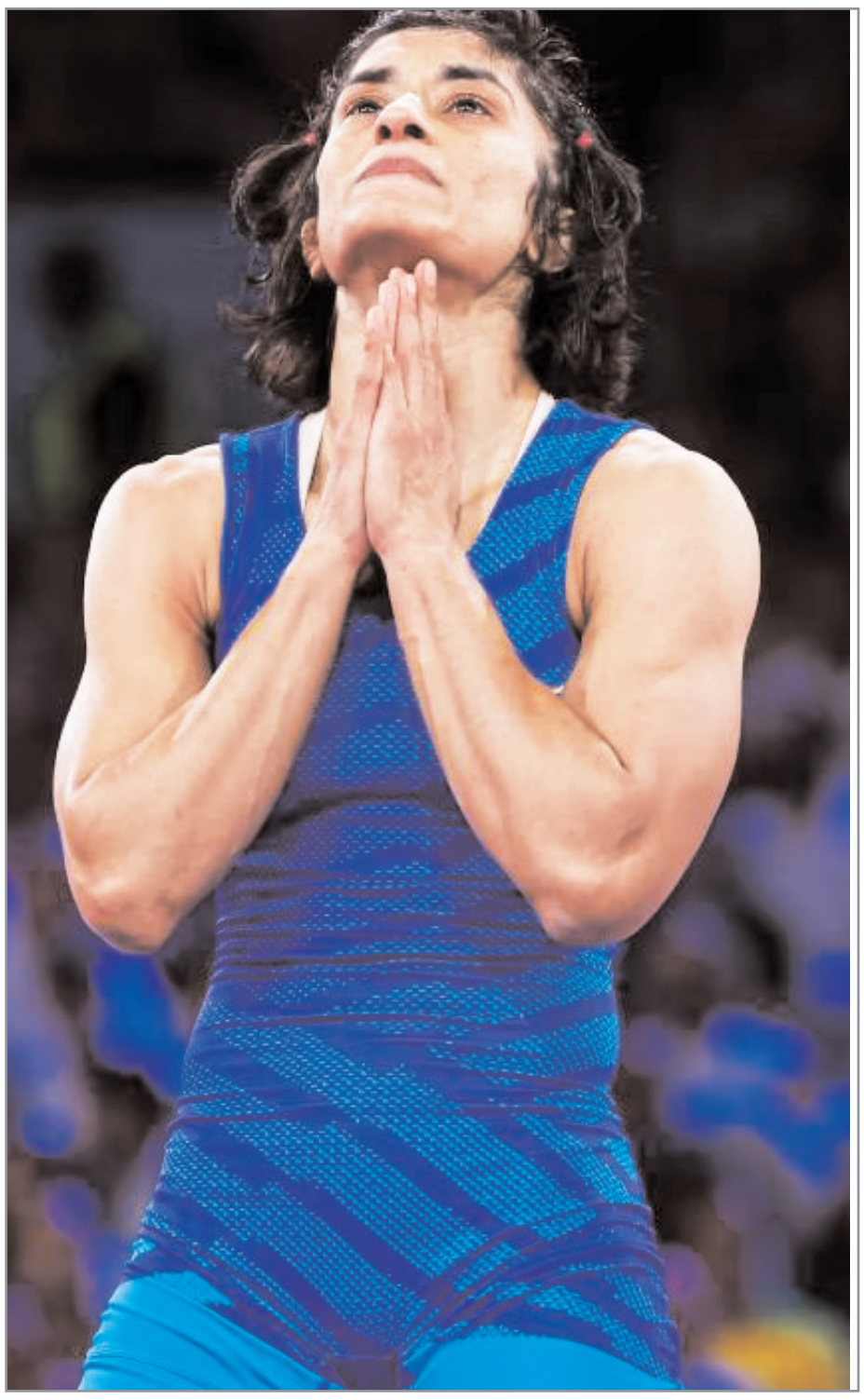

क्यूबा की पहलवान को शिकस्त दी थी

पहले विनेश फोगाट, 53 किलोग्राम के वेट में खेलती थीं। बाद में वे पचास किलोग्राम पर आई थीं। ओलंपिक में विनेश ने छह अगस्त की रात को महिला कुश्ती के 50 किलोग्राम के भार वर्ग मुकाबले में क्यूबा की पहलवान को शिकस्त दी थी। इसके बाद विनेश की तरफ से गोल्ड या सिल्वर मेडल जीतने की उम्मीद बंध गई थी। कुश्ती के कोच दर्शन पाराशर कहते हैं, ओलंपिक में वजन का बहुत अहम रोल होता है। कई बार खिलाड़ी की लापरवाही की वजह से वजन कम या ज्यादा हो जाता है। हालांकि जो खिलाड़ी, ओलंपिक में गोल्ड/सिल्वर जीतने की दहलीज पर पहुंच गई हो, वहां पर ऐसी लापरवाही/चूक हो, ऐसी संभावना न के बराबर है। खुद पहलवान भी बहुत गंभीर रहता है।

कहीं तो चूक हुई है...

चंडीगढ़ प्रशासन में कुश्ती कोच दर्शन पाराशर कहते हैं, विनेश फोगाट के साथ हुई यह घटना हैरान और दुखी करने वाली है। ओलंपिक में विनेश, गोल्ड तक पहुंच सकती थी। इस मामले में कहीं तो चूक हुई है। इसके लिए केवल पहलवान जिम्मेदार नहीं होता। कोच व तकनीकी टीम भी साथ रहती है। देखने वाली बात यह है कि किसके स्तर पर जिम्मेदारी में कोताही बरती गई है। कोई तो है जो अपनी जिम्मेदारी पूरी करने में फेल रहा है।

खून निकालने या बाल कटाने से ज्यादा असर नहीं होता

महिला पहलवान पूजा ढांढा कहती हैं कि पहले से ही अगर वजन एक दो किलो बढ़ा है, तो वह कम करना मुश्किल होता है। विभिन्न परिस्थितियों में तेजी से वजन गिरना बंद हो जाता है। प्रेक्टिस के बाद भी वजन कम नहीं होता। खून निकालने या बाल कटाने जैसी बातों से ज्यादा वजन कम नहीं होता। संभव है कि किसी कारण से वजन ग्राम में नहीं, बल्कि किलो में बढ़ गया हो।

कुछ और वक्त होता तो 100 ग्राम भी घटा सकते थे

डॉक्टर दिनशॉ पारदीवाला ने कहा- सुबह सात बजकर 15 मिनट से सात बजकर 30 मिनट का हमें समय दिया गया, हमने तब भी कोशिश की और सात बजकर 29 मिनट पर जब हमने फाइनल वजन कराया तो उसमें 100 ग्राम ज्यादा था। अगर हमारे पास कुछ घंटों का और वक्त होता तो हम उस 100 ग्राम को भी मैनेज कर सकते थे, लेकिन हमारे पास समय नहीं था। जब वह डिसक्वालिफाई हो गई तो हमने उन्हें रीहाइड्रेट करने की कोशिश की और उन्हें जरूरी फ्लूइड दिए। उन्होंने खाना खाया और पानी भी पिया। वे फिलहाल सामान्य स्थिति में हैं।

12 घंटे में कैसे 2.8 किलो बढ़ा विनेश का वजन?

भारतीय ओलंपिक संघ द्वारा जारी बयान में कहा गया है कि मंगलवार को प्री क्वार्टर फाइनल में उतरने से पहले जो वजन मापा गया था, तब विनेश 49.9 किलो की थीं, जो कि 50 किलो भारवर्ग में उतरने के लिए ठीक था। हालांकि, मंगलवार को तीन राउंड, प्री क्वार्टर फाइनल, क्वार्टर फाइनल और सेमीफाइनल खेलने के बाद उनका वजन 52.7 किलो हो गया, जो कि 2.8 किलो ज्यादा था। इन सभी मुद्दों पर पेरिस ओलंपिक में भारतीय दल के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर दिनशॉ पारदीवाला ने बयान दिया है। डॉक्टर पारदीवाला ने कहा- यह जो वजन घटाने की प्रक्रिया है वजन मापने वाले कार्यक्रम से पहले, उसमें काफी रिस्क होता है और काफी सावधानियां बरतनी पड़ती हैं। इसमें एथलीट्स को खाने और पीना संबंधी सावधानियां बरतनी पड़ती हैं। इसके अलावा एथलीट को काफी पसीना बहाना होता है। यह एक यंत्र के द्वारा किया जाता है और व्यायाम का इस्तेमाल होता है। साथ ही इसमें स्टीम का भी इस्तेमाल किया जाता है। यह भले ही उन्हें हल्के वेट कैटेगरी में ले जाता है, लेकिस इससे एथलीट में कमजोरी और ऊर्जा मे कमी आती है। इससे आपको उस कैटेगरी में खेलने में मुश्किल आती है।

वजन कम करने के लिए सिर्फ 12 घंटे थे

डॉक्टर दिनशॉ पारदीवाला ने कहा- मंगलवार को जब विनेश तीन बार मैट पर उतरीं, तो उनके तीनों मुकाबले कड़े रहे थे। उन्हें खुद को डिहाईड्रेशन से बचाने के लिए पानी की जरूरत पड़ती है, ताकि आपके शरीर में ऊर्जा बची रहे। ऐसा नहीं हुआ तो आप बीमार पड़ जाएंगे और प्रतिस्पर्धा नहीं कर पाएंगे। जब सेमीफाइनल के बाद उनका वजन मापा गया तो वह वजन के तय सीमा से 2.7 किलो ज्यादा था। यानी विनेश का वजन 52.7 किलो था। प्री क्वार्टर फाइनल से पहले विनेश का वजन 49.9 किलो था, यानी उनके वजन में कुल 2.8 किलो की बढ़ोतरी हुई। उन्होंने कहा कि इसके बाद टीम और कोच ने अपना काम शुरू किया, जिसमें पसीना बहाना, सीमित मात्रा में पानी लेना, कोई खाना नहीं शामिल है। इसके लिए आमतौर पर समय की जरूरत होती है, लेकिन हमारे पास ज्यादा समय नहीं था। सिर्फ 12 घंटे थे, हमारे पास। ऐसे में हमारी टीम ने पूरी रात हर संभव प्रयास करने की कोशिश की ताकि विनेश का वजन कम हो सके। जब ऐसी स्थिति आई कि वह और पसीना नहीं बहा पा रही थीं, तो हमने कुछ और तरीके भी अपनाए। इनमें बालों को काटना, उनके कपड़े को कुछ मिलिग्राम तक कम किया।

नियम तो नियम हैं

इस मामले में यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग (यूडब्ल्यूडब्ल्यू) के प्रमुख नेनाद लालोविक ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि हमें नियमों का सम्मान करना चाहिए। मुझे बहुत दुख है कि विनेश के साथ क्या हुआ। उसका वजन बहुत कम था। लेकिन नियम तो नियम हैं और सब कुछ सार्वजनिक है। सभी एथलीट वहां हैं और किसी ऐसे व्यक्ति को प्रतिस्पर्धा में शामिल करना असंभव है जो वजन के हिसाब से सही नहीं है।

एक दशक बाद भी धाम में नहीं स्थापित हो सका अर्ली वॉर्निंग सिस्टम

सटीक पूर्वानुमान आज भी पहेली

रुद्रप्रयाग। विषम भौगोलिक परिस्थितियों वाले केदारनाथ में मौसम का सटीक पूर्वानुमान आज भी पहेली जैसा है। यहां कब बारिश व बर्फबारी हो जाए कुछ भी कहना मुश्किल है। जून 2013 की आपदा के बाद क्षेत्र में मौसम के सटीक पूर्वानुमान के लिए डॉप्लर रेडार लगाने के लिए शासन ने घोषणा तो की थी, लेकिन यह मामला निविदा से आगे नहीं बढ़ सका। अगर, धाम में अर्ली वॉर्निंग सिस्टम होता तो बीते दिनों आई आपदा से पूर्व ही सुरक्षा उपाय किए जा सकते थे, इससे हजारों लोगों की जान खतरे में नहीं पड़ती। समुद्रतल से 11750 फीट की ऊंचाई पर स्थित केदारनाथ तीन तरफ से पहाड़ियों से घिरा संकरा घाटी क्षेत्र है। मेरु-सुमेरु पर्वत की तलहटी पर स्थित केदारनाथ मंदिर के दोनों तरफ मंदाकिनी व सरस्वती नदी बहती हैं।बीच में एक टापू है जो हिमस्खलन जोन है। केदारनाथ से चार किमी पीछे चोराबाड़ी व कंपेनियन ग्लेशियर हैं, जिस कारण यहां पल-पल में मौसम बदलता रहता है। यहां कब मूसलाधार बारिश आ जाए, कुछ कहना मुश्किल है। जून 2013 की आपदा का कारण भी मूसलाधार बारिश थी। जिससे चोराबाड़ी ताल तक बादल फट गया था और मंदाकिनी नदी में सामान्य दिनों की अपेक्षा हजारों क्यूसेक पानी बढ़ गया था, जो तबाही का कारण बना। आपदा के बाद, शासन स्तर पर केदारनाथ में डॉप्लर रेडार लगाने की बात कही गई थी। जिससे मौसम का सटीक पूर्वानुमान मिल सके और इस तरह की मुश्किलों से निपटने के लिए पहले से इंतजाम किए जा सकें। उस समय तत्कालीन मुख्यमंत्री विजय बहुगुणा ने डॉप्लर रेडार लगाने के लिए ग्लोबल स्तर पर निविदा प्रक्रिया की बात भी कही थी, लेकिन एक दशक से अधिक समय बीत जाने के बाद भी केदारनाथ क्षेत्र में अर्ली वार्निंग सिस्टम स्थापित नहीं हो सका। विशेषज्ञों का कहना है कि केदारनाथ में डॉप्लर रेडार स्थापित होता तो बीते 31 जुलाई को पैदल मार्ग पर बादल फटने के बाद उपजे हालात से निपटने के लिए शासन, प्रशासन को इतनी कड़ी मशक्कत नहीं करनी पड़ती। क्योंकि डॉप्लर रेडार से कम से कम तीन दिन के मौसम के पूर्वानुमान की जानकारी मिल जाती, इससे लोगों को पहले ही निचले इलाकों में भेजने के लिए पर्याप्त समय मिल जाता। लेकिन फिलहाल स्थिति यह है कि केदारनाथ में बारिश, बर्फबारी, तापमान तक की सही जानकारी के लिए उपकरण नहीं लगे हैं। वर्ष 2007-08 में वाडिया संस्थान देहरादून ने रामबाड़ा और चोराबाड़ी में ऑटोमेटिक वेदर स्टेशन टॉवर (एडब्ल्यूएस) स्थापित किए गए थे।

मजिस्ट्रेट जांच में एमसीडी और फायर डिपार्टमेंट दोषी रिपोर्ट में हुआ यह खुलासा

दिल्ली। राव कोचिंग सेंटर के बेसमेंट में पानी भर जाने से यूपीएससी के तीन अभ्यर्थियों की मौत की मजिस्ट्रेट जांच में एमसीडी और अग्निशमन विभाग द्वारा कई कानूनों के दुर्भावनापूर्ण उल्लंघन का संकेत मिला है। जांच रिपोर्ट में कहा गया है कि एमसीडी और अग्निशमन विभाग के अधिकारियों ने पहले नियमों के उल्लंघन को देखा था, इसके बावजूद भी कोई कार्रवाई नहीं की गई। मजिस्ट्रेट जांच में आईएएस स्टडी सर्कल को भी दोषी ठहराया है। राजस्व मंत्री को सौंपी गई रिपोर्ट में कई खुलासे हुए हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि राव कोचिंग सेंटर के मालिक और प्रबंधन भी छात्रों के जीवन की परवाह किए बिना बेसमेंट के खतरनाक दुरुपयोग में शामिल होकर आपराधिक लापरवाही के लिए जिम्मेदार थे। रिपोर्ट में खुलासा हुआ कि बिल्डिंग में %नियमों के उल्लंघन% को एमसीडी और फायर डिपार्टमेंट के अधिकारियों ने पहले भी देखा था, लेकिन उन्होंने कोई कार्रवाई नहीं की।जांच में छात्रों और विभिन्न विभागों के अधिकारियों सहित 15 लोगों से पूछताछ की गई। रिपोर्ट में कहा गया है कि एमसीडी ने यहां नाले से अतिक्रमण नहीं हटाया। साथ ही निचले स्थान पर स्थित होने के कारण जलभराव की संभावना होने के बावजूद क्षेत्र में नालों से पिछले पांच वर्षों से गाद नहीं निकाली गई है। वहीं, अग्निशमन विभाग इस साल 1 जुलाई को निरीक्षण के दौरान एमसीडी को लाइब्रेरी के रूप में इमारत के बेसमेंट के दुरुपयोग का उल्लेख करने में भी विफल रहा। जांच में छात्रों और विभिन्न विभागों के अधिकारियों सहित 15 लोगों से पूछताछ की गई। रिपोर्ट में कहा गया है कि एमसीडी ने यहां नाले से अतिक्रमण नहीं हटाया। साथ ही निचले स्थान पर स्थित होने के कारण जलभराव की संभावना होने के बावजूद क्षेत्र में नालों से पिछले पांच वर्षों से गाद नहीं निकाली गई है।

बांग्लादेश के पूर्व विदेश मंत्री देश छोड़ने की कोशिश करते ढाका हवाई अड्डे पर गिरफ्तार

ढाका/लंदन: बांग्लादेश के पूर्व विदेश मंत्री हसन महमूद और पूर्व राय मंत्री जुनैद अहमद पलक को मंगलवार को देश छोड़ने की कोशिश करते समय ढाका हवाई अड्डे पर हिरासत में ले लिया गया। यह घटनाक्रम ऐसे समय में हुआ है, जब आरक्षण विरोधी हिंसक प्रदर्शनों के बीच एक दिन पहले ही प्रधानमंत्री हसीना ने अचानक पद से इस्तीफा देकर देश छोड़ दिया था। हसीना सोमवार को बांग्लादेशी वायुसेना के एक सी-130 जे सैन्य विमान से भारत पहुंचीं। 'ढाका ट्रिब्यून अखबार ने हवाई अड्डा विमानन सुरक्षा (एवीएसईसी) के एक अधिकारी के हवाले से बताया कि महमूद दिल्ली जाने वाली उड़ान पकड़ने के लिए ढाका के हजरत शाहजलाल अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर गए थे। अधिकारी ने बताया कि उन्हें बांग्लादेश छोड़ने की कोशिश करते समय हवाई अड्डे पर हिरासत में लिया गया। महमूद ने हसीना सरकार में विदेश मंत्री के रूप में कार्य किया। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, पूर्व विदेश मंत्री ने पहले भारत से सटे एक भूमि बंदरगाह के माध्यम से निकलने का प्रयास किया था, लेकिन उन्हें सीमा पार करने की अनुमति नहीं दी गई थी। महमूद को हिरासत में लिए जाने से कुछ घंटे पहले ही राय के पूर्व दूरसंचार मंत्री जुनैद अहमद पलक को हवाई अड्डा अधिकारियों द्वारा देश छोड़ने से रोक दिया गया था। इससे पहले की मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया था कि हसीना की अवामी लीग के कई शीर्ष नेता और सांसद तथा कैबिनेट मंत्री उनके जाने से पहले ही देश छोड़कर चले गए थे। रिपोर्ट के मुताबिक, अवामी लीग के महासचिव तथा पूर्व सड़क परिवहन मंत्री ओबैदुल कादिर ने रविवार रात को ही देश छोड़ दिया था। पूर्व कानून मंत्री अनीसुल हक हसीना के इस्तीफे से पहले ही देश छोड़कर अज्ञात स्थान पर

चले गए। हसीना के निजी सलाहकार तथा सांसद सलमान एफ. रहमान भी रविवार रात देश छोड़कर चले गए। रहमान के सहयोगियों ने उनके देश छोड़ने की जानकारी दी लेकिन वे यह पुष्टि नहीं कर सके कि वह किस देश के लिए रवाना हुए। ढाका दक्षिण शहर निगम के महापौर और हसीना के भतीजे शेख फजले नूर तपोश शनिवार सुबह बिमान की उड़ान से ढाका से रवाना हुए। विमानन सूत्रों ने बताया कि वे सिंगापुर जाने वाले विमान में सवार हुए। इसके अलावा, अवामी लीग के कई वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्रियों के अलावा उचतम न्यायालय के न्यायाधीश मोहम्मद बदरुजमां भी देश छोड़कर जा चुके हैं। इस बीच, सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन (एससीबीए) के अध्यक्ष ए.एम. महबूब उद्दीन खोकन ने भारत से हसीना और उनकी बहन शेख रेहाना को गिरफ्तार करने और उन्हें बांग्लादेश वापस भेजने का आह्वान किया। 'डेली स्टार ने खोकन के हवाले से कहा, ''हम भारत के लोगों के साथ अछे संबंध बनाए रखना चाहते हैं। कृपया, शेख हसीना और शेख रेहाना को गिरफ्तार करें, जो देश छोड़कर भाग गए हैं और उन्हें वापस बांग्लादेश भेज दें। शेख हसीना ने बांग्लादेश में कई लोगों की हत्या की है। खोकन बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के संयुक्त महासचिव भी हैं। बांग्लादेश के राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन ने विवादास्पद आरक्षण प्रणाली का विरोध कर रहे छात्र आंदोलन के प्रमुख समन्वयकों से मंगलवार को बंगभवन में मुलाकात की और मौजूदा स्थिति तथा अंतरिम सरकार की रूपरेखा पर चर्चा की। मीडिया में आई खबरों से यह जानकारी मिली है। बांग्ला भाषा दैनिक 'प्रथम आलो ने एक समन्वयक का हवाला देते हुए खबर में बताया कि बैठक मंगलवार शाम को शुरू हुई। अखबार के मुताबिक, आंदोलन करने वाले छात्र संगठनों के 13 सदस्यों का एक समूह मौजूदा स्थिति तथा अंतरिम सरकार की रूपरेखा को लेकर राष्ट्रपति तथा तीनों सशस्त्र बलों के प्रमुखों के साथ बंगभवन में बैठक कर रहा है।द्व राष्ट्रपति शहाबुद्दीन ने अंतरिम सरकार के गठन का मार्ग प्रशस्त करने के लिए संसद को भंग कर दिया था।

बम बनाने की कोशिश में हुआ ब्लास्ट, 5 बच्चे घायल

मुजफ्फरपुर: बिहार के मुजफ्फरपुर से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां बच्चों द्वारा यूट्यूब देखकर बम बनाने का प्रयास किया जा रहा था। इसी दौरान जोर से धमाका हुआ, जिसमें 5 बच्चे जख्मी हो गए। जानकारी के अनुसार, घटना मुजफ्फरपुर में गायघाट थाना क्षेत्र के मुन्नी बंगरा कल्याण गांव की है, जहां यूट्यूब देखकर कुछ बच्चे बम बनाना सीख रहे थे। बच्चे एक टॉर्च में माचिस की तिल्ली और पटाखे के बारूद को निकालकर बम बनाने की कोशिश कर रहे थे, तभी ब्लास्ट हो गया। धमाके के कारण पांच बच्चे जख्मी हो गए हैं। इस हादसे में एक बच्चा गंभीर रूप से घायल हो गया, जबकि 4 बच्चे आंशिक रूप से झुलस गए हैं। इस विस्फोट के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। स्थानीय लोगों ने घायल बच्चों को अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका इलाज चल रहा है। वहीं सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच में जुट गई है। एसएसपी राकेश कुमार ने हादसे की पुष्टि करते हुए कहा कि बच्चों द्वारा बम को बनाने की कोशिश के दौरान हादसा हुआ है। इसके अतिरिक्त सभी घायल बच्चों का गायघाट पीएससी में इलाज किया जा रहा है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569